- 19th Year
- Issue: 236
- 01.01.2026 (THURSDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

e-paper-www.thekalingasamachar.com

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ मुलाकात पर पीएम मोदी ने कहा-सार्थक संवाद हुआ

नई दिल्ली ३१/१२ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ हुई मुलाकात पर कहा है कि संवाद सार्थक रहा है। 'आत्मनिर्भरता और संरचनात्मक परिवर्तन-विकसित भारत का एजेंडा' विषय पर यह मुलाकात मंगलवार को हुई थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ एक बहुत सार्थक संवाद हुआ। उन्होंने 'आत्मनिर्भरता और संरचनात्मक परिवर्तन-विकसित भारत के लिए कार्यसूची' विषय पर अपने बहुमूल्य दृष्टिकोण साझा किए।

बता दें कि मंगलवार सुबह नीति आयोग में पीएम मोदी ने प्रमुख अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के एक ग्रुप के साथ बातचीत की। इस दौरान, प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए साल 2047 तक भारत की यात्रा के मूल स्तंभों का उल्लेख किया। उन्होंने 'विकसित भारत' को एक राष्ट्रीय आकांक्षा बताते हुए कहा कि साल 2047 तक एक विकसित भारत का सपना सरकारी नीति से परे जाकर एक वास्तविक जन आकांक्षा बन गया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव शिक्षा, उपभोग और वैश्विक गतिशीलता के बदलते स्वरूपों में स्पष्ट है, जिसके लिए तेजी से महत्वाकांक्षी होते समाज की जरूरतों को पूरा करने के लिए संस्थागत क्षमता में वृद्धि और सक्रिय अवसंरचना नियोजन की आवश्यकता है।पीएम मोदी ने वैश्विक क्षमता निर्माण और वैश्विक एकीकरण प्राप्त करने के लिए मिशन-आधारित सुधारों की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने दीर्घकालिक विकास को बनाए रखने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में मिशन-आधारित सुधारों का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की नीति निर्माण और बजट निर्धारण वर्ष 2047 के दृष्टिकोण से जुड़ा होना चाहिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की जरूरत के बारे में भी बात की कि देश वैश्विक कार्यबल और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बना रहे।

अर्थशास्त्रियों ने इस संवाद के दौरान, विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण विचारों का आदान-प्रदान किया। चर्चा का मुख्य केंद्र घरेलू बचत में वृद्धि, मजबूत अवसंरचना विकास और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने के माध्यम से संरचनात्मक परिवर्तन को गति देना था। समूह ने अंतर-क्षेत्रीय उत्पादकता को बढ़ावा देने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका का पता लगाया और भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) के निरंतर विस्तार पर भी चर्चा की।

प्रतिभागियों ने कहा कि साल 2025 में अभूतपूर्व अंतर-क्षेत्रीय सुधारों की गति और आने वाले साल में उनके और सुदृढ़ीकरण से यह सुनिश्चित होगा कि भारत अपनी नींव को मजबूत करके व नए अवसरों को खोलकर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में अपना पथ प्रशस्त करता रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नववर्ष 2026 पर दी शुभकामनाएं, मजबूत भारत के निर्माण का आह्वान

नयी दिल्ली ३१/१२ (संवाददाता): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि उन्होंने नव वर्ष 2026 की पूर्व संध्या पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि नव वर्ष के शुभ अवसर पर मैं देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। नव वर्ष नई ऊर्जा और सकारात्मक बदलाव का प्रतीक है। यह आत्मचिंतन और नए संकल्पों का भी अवसर है। इस अवसर पर आइए हम राष्ट्र के विकास, सामाजिक सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करें। उन्होंने आगे कहा, वर्ष 2026 हमारे जीवन में शांति, सुख और समृद्धि लाए और एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए नई ऊर्जा प्रदान करे।

इससे पहले, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी नव वर्ष की पूर्व संध्या पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नया साल महज कैलेंडर में बदलाव नहीं है; यह नए संकल्पों को मजबूत करने का अवसर है। यह नए रास्ते तलाशने, सकारात्मक बदलाव को अपनाने और बेहतर इंसान बनने के लिए निरंतर प्रयास करने का समय है। अपने संदेश में बिरला ने कहा, नए साल 2026 के आगमन पर मैं सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आशा है कि आने वाला वर्ष सभी के जीवन में नए सपने, नया उत्साह, नई संभावनाएं और भरपूर खुशियां लेकर आए।

उन्होंने कहा कि आइए इस अवसर पर एकजुट होकर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। आने वाले वर्ष में व्यक्तिगत प्रगति के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण के कार्य में भी सार्थक योगदान दें। स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और बढ़ावा देने का संकल्प लें, क्योंकि स्वदेशी केवल एक अवधारणा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत का एक मजबूत स्तंभ है।

लीगल इमरजेंसी पर ष्टसीजेआई सूर्यकांत का ऐतिहासिक फैसला, इंसाफ के लिए अब 24 घंटे खुलेगी अदालत

नई दिल्ली ३१/१२ (संवाददाता):९ भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की कार्यप्रणाली को लेकर अहम फैसला लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि लीगल इमरजेंसी की स्थिति में कोई भी नागरिक किसी भी समय, यहां तक कि आधी रात को भी, अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है।

सीजेआई सूर्यकांत के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति को जांच एजेंसियों द्वारा गिरफ्तारी की धमकी दी जाती है और उसके मौलिक अधिकारों पर तत्काल खतरा हो, तो अदालतें समय की बाध्यता से परे जाकर सुनवाई कर सकती हैं। उन्होंने कहा, मैं यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा हूं कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट हमेशा जनता के लिए उपलब्ध रहें। नियमित कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी लीगल इमरजेंसी में व्यक्ति को न्याय मिल सके। सीजेआई सूर्यकांत ने माना कि अदालतों में बड़ी संख्या में याचिकाएं लंबित हैं। इनके शीघ्र निपटारे के लिए अधिक से अधिक संवैधानिक पीठों के गठन की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि लंबित मामलों में स्ट्रक्(स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) से जुड़े विवाद भी शामिल हैं। बिहार के बाद देश के 11 राज्यों में स्ट्रक्र प्रक्रिया चल रही है, जिसे अदालत में चुनौती दी गई है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सबरीमाला मंदिर में सभी उम्र की महिलाओं को प्रवेश की अनुमति देने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ भी याचिका दाखिल है। यह मामला धार्मिक स्वतंत्रता और महिला अधिकारों के बीच संतुलन से जुड़ा है, जिसके लिए नौ सदस्यीय संविधान पीठ के गठन पर विचार किया जा रहा है। मुख्य न्यायाधीश ने वकीलों के लिए भी नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण मामलों में लंबे समय तक चलने वाली बहस की अनुमति नहीं दी जाएगी। अब सुप्रीम कोर्ट में वकीलों को निर्धारित समयसीमा के भीतर ही मौखिक दलीलें पूरी करनी होंगी और इसका कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

केंद्र सरकार गरीबों से भोजन छीनने के लिए वीबी-जी राम जी अधिनियम लाई-मान

चंडीगढ़ ३१/१२ (संवाददाता): पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने गरीबों से भोजन छीनने के लिए वीबी-जी राम जी कानून पारित किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार वंचित लोगों के अधिकारों पर डाका नहीं डालने देगी। मान ने नए 'विकसित भारत-रोजगार गारंटी आजीविका मिशन-ग्रामीण' (वीबी-जी राम जी) विधेयक को 14 घंटे के अंदर संसद में पारित कराने की कोशिशों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इस अधिनियम ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की आत्मा को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने हाल ही में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पारित वीबी-जी राम जी अधिनियम का विरोध करने के लिए मंगलवार को विधानसभा का विशेष सत्र आहूत किया। वीबी-जी राम जी अधिनियम ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के कार्यकाल में पारित किए गए मनरेगा की जगह ली है। मान ने सत्र के दौरान कहा कि नए अधिनियम का उद्देश्य दलितों, महिलाओं और सबसे गरीब परिवारों से भोजन, रोजगार व सम्मान छीनना है। उन्होंने कहा,मनरेगा को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने सावधानीपूर्वक तैयार किया था। यह वर्षों की चर्चा के बाद पेश किया गया था। वहीं, वीबी-जी राम जी अधिनियम को संसद में कुछ ही घंटों में पारित कर दिया गया। उन्होंने केंद्र सरकार को जनविरोधी नीतियों को अपनानेके प्रति आगाह किया और कहा कि ऐसा करने पर पंजाब के लोग केंद्रीय नेताओं को उनके गांवों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं देंगे।

नए साल के जश्न की तैयारी में दुनिया, इधर भारत ने बैक-टू-बैक दो प्रलय मिसाइल दाग दी

नयी दिल्ली ३१/१२ (संवाददाता): नए साल का आगमन होने वाला है। पूरी दुनिया जश्न की तैयारी में डूबी है। लेकिन इन तैयारियों के बीच भारत ने डबल धमाका कर दिया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अपनी ताकत का लोहा मनवाते हुए स्वदेशी रूप से विकसित 'प्रलय' मिसाइल का बेहद सफल परीक्षण किया है. यह कोई साधारण परीक्षण नहीं था, बल्कि यह एक 'साल्वो लॉन्च' था, जिसने दुश्मन के खेमे में खलबली मचा दी है। रक्षा विशेषज्ञों की भाषा में 'साल्वो लॉन्च' का मतलब होता है एक साथ या बहुत कम अंतर पर कई हथियारों का हमला। भारत ने बुधवार को ओडिशा तट से दूर डॉ. अब्दुल कलाम द्वीप से प्रलय लघु-श्रेणी बैलिस्टिक मिसाइल के उपयोगकर्ता परीक्षणों की एक श्रृंखला का सफलतापूर्वक संचालन किया, जो स्वदेशी रूप से विकसित हथियार प्रणाली की शामिल करने की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित मूल्यांकन कार्यक्रम के तहत सुबह करीब 10 बजे दो मिसाइलों का परीक्षण किया गया.

बांग्लादेश में नहीं थम रहा हिंदुओं पर अत्याचार, एक और युवक की हत्या

ढाका ३१/१२ (संवाददाता) बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और अत्याचार का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। मयमनसिंह जिले में एक और हिंदू युवक की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, बिजेंद्र बिश्वास नामक युवक की नोमान मियां नाम के शख्स ने हत्या कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी नोमान मियां को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि इसी जिले में महज 10 दिन के भीतर हिंदू युवक की हत्या का यह दूसरा मामला है। बांग्लादेश में पिछले कुछ दिनों में भीड़ द्वारा हत्या (मॉब लिंचिंग) की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। राजबाड़ी जिले में 24 दिसंबर को 29 वर्षीय अमृत मंडल उर्फ सम्राट की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। स्थानीय लोगों ने उन पर जबरन वसूली का आरोप लगाया था, जिसके बाद भीड़ हिंसक हो गई। इससे पहले 18 दिसंबर को मयमनसिंह के भालुका इलाके में दीपू चंद्र दास की भी इसी तरह हत्या की गई थी। उन पर ईशनिंदा का आरोप लगाकर भीड़ ने न केवल उन्हें पीटा, बल्कि उनके शव को फंदे से लटकाकर जला दिया। दीपू हत्याकांड में पुलिस ने अब तक 12 लोगों को गिरफ्तार किया है और अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने पीड़ित परिवार की जिम्मेदारी उठाने का भरोसा दिया है।देश में 12 दिसंबर से अशांति का माहौल बना हुआ है। दरअसल, छात्र नेता उस्मान शरीफ हादी को गोली मारी गई थी, जिनका सिंगापुर में इलाज के दौरान निधन हो गया।

दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 जनवरी से

नयी दिल्ली ३१/१२ (संवाददाता): दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में प्रदूषण पर चर्चा होगी और सरकार प्रस्ताव भी लाएगी। दिल्ली विधानसभा का चार दिन का सत्र 5 से 8 जनवरी तक आयोजित होगा। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मंत्री परिषद ने फैसला लिया है कि दिल्ली के प्रदूषण पर दिल्ली विधानसभा में विस्तार से खुली चर्चा होगी और सरकार खुद प्रदूषण और पर्यावरण पर प्रस्ताव लेकर आएगी। इसके अलावा %शीश महल% (पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल का आवास), दिल्ली जल बोर्ड और दिल्ली सरकार की यूनिवर्सिटीज पर भी सीएजी रिपोर्ट विधानसभा में रखी जाएगी। मंत्री ने बताया कि दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति कैसी है, क्यों है, क्या कारण हैं, सुप्रीम कोर्ट में जो-जो ऐफिडेविट पुरानी सरकारों ने दिए थे, उन पर क्या कार्रवाई हुई, उनका स्टेटस क्या है, इन सब पर सभी सदस्य चर्चा करेंगे। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले 20 वर्षों की स्थिति और वैज्ञानिक रिपोर्ट्स सदन में रखी जाएंगी। प्रदूषण से जुड़ी कमियों और भविष्य की कार्ययोजना पर खुली चर्चा होगी। सभी पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने विपक्षी सदस्यों से भी अपील की कि वो उनकी सरकारों ने पिछले 10-12 साल में प्रदूषण कम करने के लिए जो-जो कदम उठाए, उस सबका लेखा-जोखा लेकर विधानसभा आएं। मिश्रा ने कहा कि आगे प्रदूषण कम करने के लिए क्या-क्या किया जा सकता है, उस पर निर्णय भी विधानसभा में सर्वसम्मति से लिया जाएगा। कपिल मिश्रा ने बताया कि सीएजी की एक रिपोर्ट, जो पिछली सरकार के कार्यकाल में आ गई थी, मगर पिछली मुख्यमंत्री ने रोककर रखा था, उसे भी हम पटल पर रखेंगे।

आम आदमी पार्टी का कहना है कि वो दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र में बीजेपी सरकार की 10 महीने के कार्यकाल की नाकामियों पर घेरेंगे। %आप% विधायक दल के चीफ व्हीप संजीव झा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने महिलाओं को 2500 रुपये नहीं देकर अपने ही प्रधानमंत्री को झूठा साबित कर दिया। दस महीने में बीजेपी सरकार बड़ी-बड़ी बातें करने के अलावा ना दिल्ली की हवा साफ कर पाई और ना यमुना का प्रदूषण ही कम कर पाई। संजीव झा ने कहा कि छठ पर्व पर बीजेपी ने सबको यमुना में डुबकी लगवाई और आचमन कराया था, लेकिन अब पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह कह रहे कि यमुना का पानी नहाने के लायक नहीं है।संजीव झा ने कहा कि अब बीजेपी सरकार को बताना चाहिए कि उसने इन 10 महीनों में दिल्ली की जनता के हित में क्या काम किया? अपने घोषणा पत्र में झूठे वादे करके सरकार बना ली। बीजेपी ने वादा किया था कि अगर उसकी सरकार बनेगी तो दिल्ली की महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति महीने देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद एक चुनावी सभा में दिल्ली की महिलाओं से यह वादा करके गए थे, लेकिन वादा झूठा साबित कर दिया।

दिल्ली के वायु पदूषण के मुद्दे पर संजीव झा ने कहा कि पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा को बताना चाहिए कि आज दिल्ली में प्रदूषण का इतना बुरा हाल क्यों है? मीडिया रिपोर्ट बता रही हैं कि इस बार का दिसंबर पिछले 10-12 सालों में सबसे ज्यादा प्रदूषित दिसंबर रहा है। ऐसा क्यों हुआ, जबकि अब तो पराली भी नहीं जल रही है। संजीव झा ने कहा कि विधानसभा सत्र में हम सरकार से इन 10 महीनों के कामकाज का हिसाब-किताब लेंगे।

दिल्ली की रेखा गुप्ता की 10 महीने की सरकार के कामों का प्रदेश बीजेपी ने सराहना की है। मंगलवार को प्रदेश बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने केवल 10 महीने में दिल्ली में विकास की नई शुरुआत की है, जो पिछले कई सालों से उप था। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा विरासत में छोड़ी गई प्रदूषण की समस्या को छोड़ दें तो बाकी सभी काम के मामले में स्वच्छसरकार का प्रयास साफ दिख रहा है।

विविध समाचार

मेरी हत्या होती है तो सपा होगी जिमेदार..., अखिलेश यादव पर पूजा पाल ने लगाए गंभीर आरोप

लखनऊ ३१/१२ (संवाददाता): समाजवादी पार्टी से निष्कासित होने के कुछ दिनों बाद, चायल विधायक पूजा पाल ने पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को एक पत्र लिखकर उन पर उन्हें बीच रास्ते में अपमानित करके और छोड़कर संगठन के भीतर आपराधिक तत्वों को मज़बूत करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि उनका निष्कासन न केवल एक व्यक्तिगत मामला है, बल्कि राज्य के पिछड़े वर्गों, दलितों और आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों की चिंताओं को दबाने का एक प्रयास भी है। पाल ने लिखा कि उनके स्पष्टीकरण से एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के लोगों को यह जवाब मिल जाता कि ज्या अखिलेश यादव वाकई पिछड़ों, दलितों और अल्पसंज्यकों (पीडीए) के

रक्षक हैं। निकाल दी गई विधायक ने अपने एज्स अकाउंट पर अखिलेश यादव को संबोधित पत्र साझा करते हुए लिखा कि अन्याय और विश्वासघात के खिलाफ़ मेरी आवाज़!

पार्टी से निष्कासन सिर्फ़ मेरे बारे में नहीं है, बल्कि उज्र प्रदेश के पिछड़ों, दलितों और गरीबों की आवाज़ को दबाने की कोशिश है। मैंने न्याय की लड़ाई लड़ी है और लड़ती रहूँगी।पूजा पाल ने आगे कहा कि वह सपा में इसलिए शामिल हुईं ज्योंकि उनका मानना है कि यह पिछड़े समुदाय को न्याय दिला सकती है। हालाँकि, सपा सरकार के दौरान अपने पति की हत्या के लिए न्याय पाने की उनकी कोशिशों को निराशा ही हाथ लगी। बसपा विधायक राजू पाल की 2005 में प्रयागराज में पूजा पाल से शादी के कुछ ही दिनों बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। फरवरी 2023 में, हत्या के एक प्रमुख गवाह उमेश पाल की प्रयागराज के सुलेम सराय इलाके में गोली मारकर हत्या कर दी गई।भाजपा शासन में उज्र प्रदेश सरकार की प्रशंसा दोहराते हुए, पूजा पाल ने ज़ोर देकर कहा कि भाजपा सरकार के दौरान ही लंबे समय से लंबित न्याय मिला। पाल ने पार्टी से अपने निष्कासन पर भी सवाल उठाया, कथित तौर पर राज्यसभा चुनाव में भाजपा उज्मीदवार को वोट देने के कारण, जबकि अखिलेश यादव ने खुद कुछ ही दिनों बाद दिल्ली में कॉन्स्टिट्यूशनल ज्लब के चुनावों में भाजपा उज्मीदवार को वोट दिया था।

पाल ने सपा प्रमुख की उनके अहंकार के लिए आलोचना की, जिसके कारण उन्होंने एक पिछड़े समुदाय की विधवा को पार्टी से निकाल दिया। निष्कासित विधायक ने कहा कि उन्हें सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोल किया जा रहा है और जान से मारने की धमकियाँ भी मिल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि अपने पति की हत्या का न्याय पाने का उनका एकमात्र उद्देश्य पूरा हो गया है और अब अगर उनकी मृत्यु भी हो जाती है, तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने अपने पत्र के अंत में लिखा कि अगर उन्हें कुछ भी होता है, तो समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव को ज़िज़्मेदार ठहराया जाना चाहिए। इससे पहले, चायल से सपा विधायक पूजा पाल को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने और अनुशासनहीनता दिखाने, खासकर उज्र प्रदेश के मुज्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ज़ीरो टॉलरेंस नीति की प्रशंसा करने जैसे कारणों का हवाला देते हुए समाजवादी पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

पीएम-सीएम को बर्खास्त करने वाले विधेयक पर बंट गया विपक्ष ?

टीएमसी का जेपीसी में शामिल होने से इनकार

कोलकाता ३१/१२ (संवाददाता): पश्चिम बंगाल की मुज्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने शनिवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री, मुज्यमंत्रियों और मंत्रियों को बर्खास्त करने संबंधी विधेयकों की जांच के लिए गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में किसी सदस्य को नामित नहीं करेगी, यदि उन्हें लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रखा जाता है या गिरफ्तार किया जाता है। टीएमसी ने एक बयान में कहा कि हम 130वें संविधान संशोधन विधेयक का पेश होने के चरण में ही विरोध करते हैं और हमारे विचार से जेपीसी एक दिखावा है। इसलिए, हम एआईटीसी से किसी को भी नामित नहीं कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन विवादास्पद विधेयक- संविधान (एक सौ तीसवाँ संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 और जज्मू-कश्मीर

पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 - पेश किए। हालांकि, इन तीनों विधेयकों के पेश होने पर सदन में भारी हंगामा हुआ और विपक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इन विधेयकों के ज़रिए गैर-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य सरकारों को अस्थिर करना चाहती है। कुछ विपक्षी सदस्यों ने विधेयकों की प्रतियां फाड़कर शाह की ओर फेंक दीं, जिन्होंने बाद में कहा कि विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा जाएगा। शाह द्वारा संसद में इन विधेयकों को पेश किए जाने के बाद, ममता बनर्जी ने कहा कि ये विधेयक देश में लोकतांत्रिक युग को %खत्म% कर देंगे और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को भी खत्म कर देंगे।

उन्होंने कहा कि ये विधेयक प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को सशक्त करेंगे और इसे सुपर-आपातकाल से भी बड़ा कदम बताया। उन्होंने एज्स पर पोस्ट में कहा कि मैं भारत सरकार द्वारा आज पेश किए जाने वाले 130वें संविधान संशोधन विधेयक की निंदा करती हूँ। मैं इसे सुपर-आपातकाल से भी बढ़कर, भारत के लोकतांत्रिक युग को हमेशा के लिए समाप्त करने की दिशा में एक कदम बताकर इसकी निंदा करती हूँ। यह कठोर कदम भारत में लोकतंत्र और संघवाद के लिए मौत की घंटी है।

असीम मुनीर की गीदड़भभकी पर राम माधव की दो टूक, परमाणु ज़्लैकमेल से कोई भी भारत को नहीं डरा सकता

नयी दिल्ली ३१/१२ (संवाददाता): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता राम माधव ने शनिवार को पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर द्वारा भारत को परमाणु युद्ध की धमकी दिए जाने पर कड़ा विरोध जताया और कहा कि इस तरह की धमकी से कोई नहीं डरता और भारत में ऐसी धमकियों का जवाब देने की समझ है। कुछ दिन पहले अमेरिका यात्रा के दौरान मुनीर द्वारा की गई इस टिप्पणी का विदेश मंत्रालय ने कड़ा विरोध किया था और नई दिल्ली ने इस तरह की बयानबाजी जारी रखने पर दर्दनाक परिणाम भुगतने की

चेतावनी दी थी।

आरएसएस नेता राम माधव ने एएनआई से कहा कि मुनीर की परमाणु धमकी से कोई डरने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री ने इसका उचित जवाब दिया है। परमाणु ज्लैकमेल से कोई भी भारत को नहीं डरा सकता। अगर नौबत आ गई तो ज्या किया जाए? भारत की भी अपनी समझ है। इस सवाल का जवाब देते हुए कि ज्या अमेरिका अप्रत्यक्ष रूप से ऐसी टिप्पणियों का समर्थन कर रहा है, आरएसएस नेता ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उतने सहज नहीं हैं जितना पहले सोचा गया था, और वे बड़े लेन-देन वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारत को भावुक होने और ट्रंप के तरीके से निपटने की ज़रूरत नहीं है, जैसे दूसरे देश भी अपने तरीके से निपटते हैं।

उन्होंने कहा कि हम बहुत भावुक लोग हैं, हम ट्रंप के तरीके को ज्यों नहीं समझ पा रहे हैं?

ट्रंप ने खतरनाक उज्र कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन के साथ भी संपर्क बनाए रखा है, सिंगापुर में उनसे बात की है और कहा है कि वे दोस्त हैं। इसी वजह से उज्र कोरिया और अमेरिका के रिश्तों में कोई बदलाव नहीं आया। बस यूँ ही, वह (डोनाल्ड ट्रंप) सोचते हैं कि बुरे लोगों के साथ काम करके मैं उन्हें ठीक कर दूँगा।

ट्रम्प द्वारा बार-बार टैरिफ लगाने की धमकी और भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम समझौते के झूठे दावों के बारे में माधव ने कहा, ट्रम्प उतने सरल नहीं हैं जितना हम पहले सोचते थे।

वह एक बड़े लेन-देनवादी व्यक्ति हैं और उनके दिमाग में यह स्पष्ट है कि वह जो कुछ भी कर रहे हैं, वह अमेरिकी अर्थव्यवस्था की ताकत बढ़ाने के लिए कर रहे हैं। यही उनका लक्ष्य है। अफगानिस्तान में युद्ध के लिए अमेरिका ने पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेश मुशर्रफ से हाथ मिलाया था, इसका जिक्र करते हुए माधव ने कहा, वह मुनीर के साथ ऐसा कर रहे हैं, हम इसका पूरी तरह विरोध करते हैं, लेकिन अमेरिका ने (परवेज़) मुशर्रफ के साथ भी यही राजनीति की थी, वह मुशर्रफ आतंकवाद का इतना समर्थन करते थे। अमेरिका ने अफगानिस्तान में युद्ध के लिए मुशर्रफ से हाथ मिलाया था, तब भी हमने इसका विरोध किया था। अपने हितों को सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका की एक खास शैली है।

अलग अंदाज में दिखे राहुल गांधी, गाड़ी से उतरकर खेतों में पहुंचे, मखाना किसानों से की मुलाकात

कटिहार ३१/१२ (संवाददाता): लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी अपनी मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान शनिवार को कटिहार में मखाना किसानों से उनके खेतों में मिले। तस्वीरों में राहुल किसानों के साथ तालाब में उतरते और उनसे बातचीत करते नज़र आ रहे हैं।

गौरतलब है कि बिहार मखाना उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है और भारत के कुल मखाना का लगभग 80 प्रतिशत यहीं पैदा होता है। इससे पहले, शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव, जो भागलपुर में राहुल के साथ %मतदाता अधिकार यात्रा% में भी मौजूद थे, ने कहा कि आगामी चुनाव बिहार के मुज्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए आखिरी चुनाव होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कुमार दोबारा मुज्यमंत्री नहीं बनेंगे।

यादव ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि यह बिहार के मुज्यमंत्री नीतीश कुमार का आखिरी चुनाव होगा। वह दोबारा बिहार के मुज्यमंत्री नहीं बनेंगे।

आपको असली मुज्यमंत्री चाहिए या नकली? हम सभी को एकजुट होकर बदलाव के लिए वोट करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि तेजस्वी यादव सबको साथ लेकर चलेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में कहा कि %मतदाता अधिकार यात्रा ने लोगों को जगा दिया है और मौजूदा सरकार जनादेश से नहीं, बल्कि चोरी से बनी है। पोस्ट में लिखा था, वोट चोर सरकार को देखिए - यह बेरोज़गारी और महंगाई के खिलाफ़ गुस्सा है। यह आक्रोश दो दशकों की गरीबी और पलायन के खिलाफ़ है। यह क्रांति मताधिकार की चोरी के खिलाफ़ है।

यह एक जन आंदोलन है - लोग जाग गए हैं और समझ गए हैं कि चोरी से बनी सरकार जनता की सरकार नहीं होती। इस बीच, कर्नाटक के मुज्यमंत्री सिद्धारमैया ने घोषणा की है कि वह 29 अगस्त को बिहार में राहुल गांधी की मतदाता अधिकार रैली में शामिल होंगे।

द्रमुक का अमित शाह से सीधा सवाल- काला कानून सिर्फ विपक्ष के लिए ज्यों?

नयी दिल्ली ३१/१२ (संवाददाता): केंद्रीय मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान संशोधन विधेयक सहित कई मुद्दों पर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके अध्यक्ष एम. के. स्टालिन की आलोचना किए जाने के बाद, तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी ने पलटवार करते हुए एक बार फिर अपना रुख दोहराया है कि यह एक ''काला'' विधेयक है।

द्रमुक के उप महासचिव एवं लोकसभा सदस्य ए. राजा ने केंद्रीय गृह मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि अमित शाह ने तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए तिरुक्कुरल का जिक्र किया, लेकिन इससे भाजपा को वोट नहीं मिलेंगे। शाह ने पार्टी की एक बैठक को संबोधित करते हुए मुज्यमंत्री एम. के. स्टालिन पर निशाना साधा और कहा कि स्टालिन को 130वें संविधान संशोधन विधेयक को ''काला विधेयक'' कहने का कोई अधिकार नहीं है, ज्योंकि उन्होंने स्वयं ''काले कारनामे'' किए हैं। इस विधेयक में प्रधानमंत्री, मुज्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए जाने और लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने पर पद से हटाए जाने का प्रावधान है जिसका विपक्ष कड़ा विरोध कर रहा है। शुक्रवार को द्रमुक द्वारा जारी एक बयान में ए. राजा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्रीय कैबिनेट में 28 मंत्रियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और 39 प्रतिशत कैबिनेट सदस्यों की ''आपराधिक पृष्ठभूमि'' है।राजा ने सवाल किया, ''ज्या यह कानून उन पर भी लागू होगा? ज्या आप ऐसे कानून को 'काला कानून' नहीं कहेंगे, जिसे केवल उन लोगों को सज़ा से हटाने के लिए लाया गया है जिन्हें वे (भाजपा) पसंद नहीं करते? अगर यह एक अच्छा विधेयक है, तो यह केवल भाजपा पर ही ज्यों लागू नहीं होता?''राजा ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को डराने के लिए यह विधेयक लेकर आई है, और जब स्टालिन ने इसे ''तानाशाही और काले कानून'' के खिलाफ आवाज उठाई, तो इससे अमित शाह घबरा गए और ''झूठ का पुलिंदा'' पेश करने पर मजबूर हो गए। उन्होंने द्रमुक सरकार को देश की सबसे भ्रष्ट सरकार बताने के लिए भी शाह की आलोचना की और कहा कि उन्होंने 2016 और 2018 में अन्नाद्रमुक सरकारों के खिलाफ भी ऐसी ही टिप्पणियाँ की थीं।

कुछ भी करो, हंगामा करो, बस हेडलाइन बटोरना है... विपक्ष और राहुल गांधी पर जमकर बरसे किरेन रिजिजू

नयी दिल्ली ३१/१२ (संवाददाता): संसद के मानसून सत्र में विपक्ष द्वारा अपनी मांगों को लेकर लगातार व्यवधान देखने को मिलने के बाद, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कहा कि उन्होंने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों से लोकसभा और राज्यसभा दोनों में चर्चा की अनुमति देने का लगातार आग्रह किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मेरा गला भी बैठ गया देखो। विपक्ष को चिल्ला-चिल्ला के मैं अनुरोध करता हूँ कि बहस होने दीजिए। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, रिजिजू ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में, संसद विपक्ष की होती है ज्योंकि वे सरकार से जवाब मांग सकते हैं।किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार जवाब देने के लिए उज्रदायी है। विपक्ष को सवाल

पूछने होंगे। अगर सवाल पूछने वाले ही भाग जाएं तो सरकार ज्या करेगी? हम उनसे हंगामा न करने के लिए कह रहे हैं। मेरा गला खराब हो गया ज्योंकि मुझे चिल्लाना पड़ा और विपक्ष से हंगामा न करने के लिए कहना पड़ा। गंभीर आपराधिक आरोपों में फंसे पीएम, सीएम, मंत्रियों को हटाने के लिए विपक्ष द्वारा बिल फाड़ने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन लोगों को ऊपर से ऑर्डर दिया है, उनके पार्टी के नेताओं ने कुछ भी करो, हंगामा करो, और हेडलाइन बटोरना है। भाजपा नेता ने कहा कि मैंने उन्हें कई बार समझाया कि इस तरह कागज़ फेंकना ठीक नहीं है। उन्होंने सारी हदें पार कर दीं। नीचे आकर गृह मंत्री का माइक छीन लिया। हमने उनसे कहा कि जितना चिल्लाना है चिल्लाएँ, लेकिन किसी चीज़ को छूने से बचें। अगर हाथापाई हुई, तो देश की बदनामी होगी... इन लोगों को उनकी पार्टी के नेताओं ने आदेश दिया है कि जाओ और कुछ भी करो, हंगामा करो, और सुर्खियाँ बटोरो।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सुर्खियां बटोरने के लिए बकवास बोलते हैं लेकिन वह वोट बैंक में तब्दील नहीं होगा। जिस तरह से वो (कांग्रेस) देशविरोध का काम करते हैं, लोकतंत्र पर हमला करते हैं, देश के लोग कभी भी कांग्रेस को सत्ता में नहीं लाएंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को किसी ने एक नोट लिखकर दे दिया कि ये बोलो। बोलते-बोलते वो भटक ??गए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस और उसके सहयोगी बुरी तरह हार गए। उन्होंने चुनाव आयोग से मतदाता सूची में संशोधन करने और झूठे नाम हटाने का अनुरोध किया। उन्होंने इसकी माँग की। महाराष्ट्र के आँकड़े गलत साबित हुए, और अब वे माफ़ी माँग रहे हैं... अब, किसी ने राहुल गांधी को एक नोट दिया कि ज्या बोलना है। वे बोलते-बोलते भटक गए।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

चेहरे के दाग-धब्बों से छुटकारा दिलाता है अंजीर

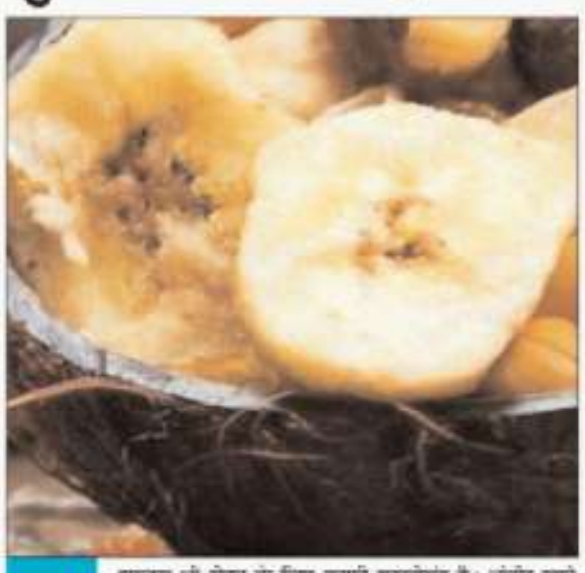

ड्राइफ्रूट्स भी सेहत के लिए काफी फायदेमंद है। अंजीर खाने के भी काफी फायदे हैं। आयुर्वेद के चिकित्सक डॉ. प्रसाद के मुताबिक अंजीर खाने से किसी भी प्रकार के दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है। नियमित रूप से अंजीर खाकर कब्ज की समस्या से राहत पाया जा सकता है। इसके अलावा रात को पानी में दो से तीन अंजीर भिगोकर रखें। इसे रोजाना सुबह उठकर खा लें। इससे कब्ज पानी हाजमे से जुड़ी समस्या से निजात पाया जाता है।

अंजीर खाने के फायदे-

1-अंजीर का पेस्ट बनाकर भी अपने चेहरे पर लगा सकती हैं। इसे 15 से 20 मिनट तक चेहरे पर लगाए रखें। सूखने के बाद चेहरा धो लें। इससे आप चेहरे के सभी दाग धब्बे निकल आते हैं, लेकिन आप चाहें तो इसे दूध में भिगोकर भी खा सकते हैं। इससे चेहरे के दागों या कील-मुंहासों से मुक्ति मिलती है।

2-अंजीर में फास्फोरस, विटामिन डी और कैल्शियम पाया जाता है। ये सभी तत्व आपकी हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। जिन महिलाओं की उम्र 50 पार कर चुकी है, उन्हें अक्सर ओस्टियोपोरोसिस और पीठ में दर्द की शिकायत होती है। ऐसी महिलाओं को निश्चित रूप से अंजीर को अपनी डायट चार्ट में शामिल करना चाहिए।

3-सूखे अंजीर में एन्टीऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। प्राकृतिक अंजीर में सूखे अंजीर के तुलना में कम एन्टीऑक्सिडेंट्स के गुण होते हैं।

विरासत में मिला पैसा

बच्चे के लिए मुसीबतें खड़ी कर सकता है

हर मां-बाप को अपने बच्चों से प्यार होता है। वे उनकी परवरिश का पूरा ख्याल रखते हैं। उनकी खुशी का ख्याल मरते दम तक होता है। वे इतनी संपत्ति छोड़कर जाना चाहते हैं कि उन्हें किसी चीज की कमी नहीं हो। लेकिन हर शख्स इतना खुशकिस्मत नहीं होता। मतलब कुछ मां-बाप के पास बच्चों के नाम छोड़ने लायक कुछ बचता ही नहीं।

कुछ बच्चे (युवा, या अधेड़) ऐसे होते हैं कि विरासत उनकी कीमत घटा देती है, यानी सेल्फवर्थ को जीरो कर देती है। समाज उनकी हर कामयाबी को उनकी मेहनत नहीं बल्कि विरासत से जोड़कर देखने लगता है। इन सबके चलते उन्हें शर्म, अपराधबोध और दुविधा महसूस होने लगती है। वे खुद को अलग-थलग महसूस करने लगते हैं।

कई बार लोग जाने-अनजाने जलने लगते हैं और उनके प्रति व्यवहार में अक्सर जताने भी लगते हैं। कई बार बेवजह की यह जलन उनके प्रति एक घृणा का रूप ले लेती है। विरासत में बुजुर्गों से संपत्ति पाने वाला बेकसूर शख्स भी आम लोगों से कटा-कटा रहने लगता है। उसकी कोशिश होती है कि वह ऐसे लोगों के बीच उठे-बैठे, जिन्हें विरासत में मिली उनकी संपत्ति से कोई फर्क नहीं पड़ता।

मुद्दा

विरासत में संपत्ति पानेवाले ऐसे शख्स के मन में क्या चलता रहता है, यह जानने के लिए बारबरा बॉलिन इनहेरिटेंस प्रोजेक्ट चलाती हैं और उनके इंटरव्यू छापती हैं। उनके हिसाब से पैरेंट्स को चाहिए कि वे समय रहते बच्चों को इसके लिए मानसिक रूप से तैयार करा दें। यह काम कई चरणों में किया जा सकता है। जैसे पहला चरण, यह हो सकता है कि पैरेंट्स शुरुआत से ही बच्चों को बताना शुरू कर दें कि उन्हें क्या मिलने वाला है। उनकी प्राथमिकताओं को समझें और उनको यह समझाने में मदद करें कि विरासत में मिली संपत्ति का सदुपयोग कैसे कर सकते हैं। पैसों को किसी ट्रस्ट में डालने का कोई मतलब नहीं निकलेगा, अगर मकसद एक ना हो।

अगर बच्चा चाहता है कि वह कुछ संपत्ति समाज के साथ शेयर करे या अच्छे काम के लिए दान करे तो उसको इसके लिए तैयार करना चाहिए। स्टडी से पता चला है कि लोग विरासत में मिली संपत्ति अपनी प्रकृति के हिसाब से भौतिक सुख साधन, निवेश, सामाजिक कार्य वगैरह में लगाते हैं। उनको उसी हिसाब से तैयार किया जाना चाहिए। दूसरा चरण, मकसद तय करने में उनकी मदद की जाए। अगर बच्चे का सपना दूरदराज के गांव में स्कूल चलाना है तो शहर में 2BHK में पैसा फंसाने का कोई मतलब नहीं बनता। पैरेंट्स बच्चे का यह सपना पूरा करने के लिए अपनी संपत्ति का एक हिस्सा उसकी बेहतर पढ़ाई लिखाई पर खर्च कर सकते हैं। ऐसे काम की लिस्ट बनाने में बच्चे की मदद करना चाहिए, जो उसका जीवन बेहतर बनाए।

तीसरा, यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वे वित्तीय तौर पर साक्षर बनें। विरासत में अपार संपत्ति पाने वालों के लिए कुछ ऑनलाइन स्कूल भी हैं। वहां वित्तीय फैसले लेने, उसके नफा नुकसान, कास्ट, फीस, टैक्सेशन कंप्लायंस वगैरह के बारे में बताया जाता है। बच्चा आगे चलकर जटिल कार्यों के लिए पेशेवर की मदद ले सकता है लेकिन अपनी जरूरत को समझने के लिए वित्तीय रूप से साक्षर होना भी जरूरी है।

चौथा, जब विरासत में संपत्ति मिलती है तो दोस्तों रिश्तेदारों का संपर्क बढ़ जाता है। इनमें चाटुकारों, साजिश करनेवालों, बिना ब्याज उधार मांगने वाले अच्छी खासी की तादाद होती है। उधार लेने वालों में भी कई ऐसे होते हैं जो यह मान बैठे होते हैं कि वह कौन-सी अपनी कमाई दे रहा है। ऐसे में पैरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चों को कुछ रकम देकर भूल जाना भी सिखाएं।

ये सपरफूड भी बढ़ा सकते है कद

ऐसा कहा जाता है कि अगर आपके माता-पिता छोटे कद के हैं तो आप पर भी उसका असर पड़ता है और आप भी छोटे रह जाते हैं। इसके अलावा लोग ये भी सोच रखते हैं कि किशोरावस्था के बाद लंबाई बढ़ना नामुमकिन है। लेकिन इन सब के बावजूद अगर आप लंबा होना चाहते हैं तो ये कोई मुश्किल काम नहीं है। इसके लिए आपको बस अपने खान-पान पर ध्यान देने की जरूरत है।

शलजम : शलजम में लंबाई बढ़ाने वाले हार्मोन्स होते हैं। नियमित रूप से इसे खाने से आपकी लंबाई बढ़ सकती है। इसके लिए आप इसकी सब्जी बनाकर या इसका जूस पी सकते हैं। कुछ ही महिनों में आपकी कुछ इंच लंबाई बढ़ जाएगी।

फलियां : फलियां यानी बीन्स में फाइबर, प्रोटीन, विटामिन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होते हैं। रोज इसे खाने से ग्रोथ हार्मोन पर प्रभाव पड़ता है।

भिंडी से भी बढ़ाई जा सकती है लंबाई

मटर

शायद जानकर हैरानी हो लेकिन मटर के दानों में भी लंबाई का राज छुपा है। रोजाना भोजन में मटर खाने से असर दिखेगा।

भिंडी

ज्यादातर लोग भिंडी खाना पसंद करते हैं। लेकिन इसके फायदे से अंजान हैं। इसकी सब्जी खाने से लंबाई के हार्मोन फंक्शन करने लगते हैं। जिससे आपकी लंबाई बढ़ती है।

पालक

जिस तरह पालक सेहत के लिए फायदेमंद है। उसी तरह लंबाई बढ़ाने के लिए भी आप इसे ट्राई कर सकते हैं। इसे सब्जी या जूस के रूप में लेने से लंबाई में फर्क दिखेगा।

लैपटाप की बैटरी लाइफ को बढ़ाने के ये हैं कुछ आसान उपाय

लैपटाप हमारी जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा बन गया है. लैपटाप को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना काफी आसान होता है. इसके जरिए आप कहीं भी बैठकर अपने सारे काम आसानी से कर सकते हैं. ज्यादातर कंपनियां दावा करती हैं कि उनके लैपटाप 4 से 6 घंटे की बैटरी लाइफ देंगे. लेकिन वास्तव में, लैपटाप का बैकअप टाइम पूरी तरह से आपके इस्तेमाल पर निर्भर करता है. नया लैपटाप खरीदने के बाद एक बार चार्ज करने पर यह 2-3 घंटे काम करता है. लेकिन 6 से 12 महीनों के बाद ही इन लैपटाप की बैटरी लाइफ कम हो जाती है, और ये 30 मिनट की ही बैटरी लाइफ देते हैं. लैपटाप का बैकअप टाइम पूरी तरह से आपके इस्तेमाल पर निर्भर करता है.आज हम आपको आपके लैपटाप की बैटरी लाइफ को बढ़ाने के कुछ आसान उपाय बताएंगे.

बैटरी बैकअप कम होने के कारण

लैपटाप की बैटरी 1-2 घंटे में चार्ज नहीं हो रही है तो जांच लें कि कहीं बैटरी ओवरहीट तो नहीं हो रही है. अगर ऐसा है तो ओवरहीट होने की समस्या को नजरअंदाज न करें क्योंकि यह मुख्य कारण होता है आपके डिवाइस की बैटरी लाइफ के कम होने का.

अगर आपके लैपटाप की बैटरी ज्यादा हिट हो रही है तो उसे तुरंत लैपटाप से निकाल के ठंडे स्थान पर रखें. बैटरी का रोज हिट होना सही नहीं है, हो सकता है कि आपकी बैटरी या चार्जर खराब हो.

लैपटाप को ओवरचार्ज करना भी बैटरी के लाइफ को कम कर देता है, जैसे-जैसे इसकी बैटरी पुरानी होती जाती है, बार-बार पावर प्लग इस्तेमाल करने की जरूरत भी बढ़ती जाती है.बैटरी की उम्र को ध्यान में रखते हुए लैपटाप को अपग्रेड करने से बेहतर बैटरी बदलना होता है.

तापमान का रखें ध्यान

ज्यादा तापमान और बढ़ती उम्र धीरे-धीरे बैटरी की परफार्मेंस को कम कर देते हैं. कम तापमान (30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर न हो) में डिवाइस का इस्तेमाल करने से उसकी लाइफ साइकल बेहतर होगी. आप अपने डिवाइस को गर्मी से बचाने की कोशिश करें. स्मार्टफोन के ज्यादा गर्म होने की समस्या से परेशान होना वाजिब है. लैपटाप में इस बात का ध्यान रखें कि आप कूलिंग पैड का इस्तेमाल कर रहे हैं, ताकि सीपीयू वेंट से गर्म हवा आसानी से निकल जाए. धूल के कारण अक्सर लैपटाप का वेंट बंद होने लगता है जिस कारण से उसमें बने पंखों को ज्यादा काम करना पड़ता है. इसलिए सफाई रखें, खासकर धूल को जरूर हटाएं.

मुफ्त ऐप से बचें

विज्ञापन के साथ आने वाले ऐप्स आपके डिवाइस की बैटरी लाइफ औसतन 2.5 से 2.1 घंटे तक कम कर सकते हैं. ऐसा नहीं है कि सभी फ्री ऐप्स आपकी बैटरी पर असर डालते हैं, लेकिन अगर आपको उस पर कोई विज्ञापन नजर आए तो समझ लीजिए कि यह बैंडविथ और प्रोसेसर पर असर डालेगा ही. अगर आप इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं तो वाई-फाई का कनेक्शन ऑफ कर दें.

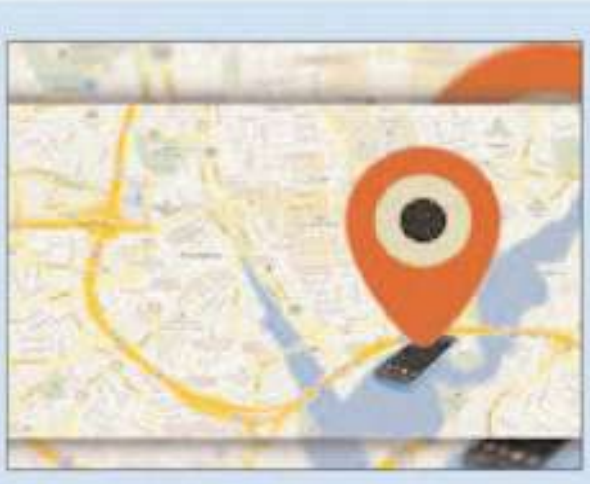

लोकेशन ट्रैकिंग बंद कर दें

हाल ही में आई एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फेसबुक ऐप डिवाइस की बैटरी को जल्दी खत्म करता है क्योंकि यह बार-बार जीपीएस मौड्यूल का इस्तेमाल करके यूजर की लोकेशन जानता रहता है. ऐसे में जिन ऐप को आपके लोकेशन की जरूरत नहीं है, उनके लोकेशन ट्रैकिंग को ऑफ कर देने से जरूर मदद मिलेगी.

पूरी तरह चार्ज से बेहतर है थोड़ा-थोड़ा चार्ज करें

बैटरी को 100 फीसदी से सीधे ले जाकर शून्य पर खत्म करने से बेहतर है कि आप इसे 50 फीसदी तक ही डिस्चार्ज होने दें. 30 से 80 फीसदी के बीच का क्रम बनाए रखें. ऐसा करने से आपके बैटरी की लाइफ तीन गुना बढ़ जाएगी. बैटरी को कई साल तक इस्तेमाल करने योग्य बनाने कि लिए लेनेवो का सुझाव है कि आप चार्जिंग का पैटर्न 40 फीसदी से शुरुआत और 50 फीसदी पर बंद, तय कर दें.

डिस्प्ले की ब्राइटनेस कम रखें

यह सुझाव लैपटाप और मोबाइल डिवाइस पर लागू होता है. डिवाइस के इनएक्टिव रहने पर आपका डिस्प्ले कितनी देर तक आन रहे, यह कम करके और डिस्प्ले की ब्राइटनेस कम करके भी आप थोड़ी बैटरी बचा सकते हैं.

चार्ज करते वक्त या वाई-फाई पर ऐप अपडेट करें

आमतौर पर कोई भी एक्शन जिससे प्रोसेसर या बैंडविथ पर दबाव पड़ता है, वह ज्यादा ही सीपीयू पावर लेगा. ऐसे में बेहतर यह होगा कि एक्शन आम तौर पर स्थिर रहे और आप मोबाइल डेटा इंटरनेट के बजाय वाई-फाई का इस्तेमाल करें. आप अपने ऐप्स अपडेट को वाई-फाई पर शेड्यूल करें. अगर आपके डिवाइस में विकल्प मौजूद है तो सिर्फ चार्ज होते वक्त इसे शेड्यूल कर बैटरी लाइफ को बढ़ा सकते हैं.

फ्लाइट मोड का इस्तेमाल करें

अगर आप ऐसी जगह पर हैं जहां कोई नेटवर्क नहीं है तो बेहतर होगा कि आप फोन में एयरप्लेन मोड (फ्लाइट मोड) को आन कर दें क्योंकि आपका फोन ऐसी जगहों पर बार-बार नेटवर्क तलाश करेगा जिसका असर बैटरी लाइफ पर पड़ेगा.

लैपटाप से एक्सटर्नल ड्राइव को अलग रखें

अक्सर देखने में आता है कि लैपटाप यूजर्स स्क डिवाइसेस जैसे पेन ड्राइव, एक्सटर्नल हार्ड डिस्क को लगातार अटैच करते हैं और अटैच ही रखते हैं. ये डिवाइसेस बैटरी के पावर को लगातार पावर को कम करती हैं. ऐसे में जब भी एक्सटर्नल डिवाइसेस का काम पूरा हो जाए तो उन्हें फौरन लैपटाप से रिमूव कर दें.

इन नुस्खों का इस्तेमाल कर आप अपने फोन को पहले की तुलना में ज्यादा बेहतर बैटरी लाइफ दे सकते हैं.

ब्रेक भी जरूरी

यदि आप सारा दिन कम्प्यूटर के सामने बैठकर लगातार काम करते हैं, या किसी कॉल सेंटर में पूरा दिन फोन पर बात करते हैं, तो जरा ब्रेक लीजिये। लगातार बैठकर काम करते रहना, शरीर पर भारी पड़ सकता है। कम्प्यूटर के अधिकाधिक इस्तेमाल से कलाइयों और हाथों पर दबाव के कारण 'कारपल टनल सिंड्रोम' बीमारी बढ़ रही जा रही है। इसमें शुरुआत में दर्द होता है, हाथों में झनझनाहट होती है और हाथ सुन्न लगते हैं। उंगलियों को मोड़ने या मुट्ठी बंद करने में परेशानी होती है। वहीं, बैठने का तरीका यदि सही नहीं है तो कंधे, गर्दन और पीठ को नुकसान हो सकता है। लंबे समय तक कम्प्यूटर के सामने बैठे रहने से आंखों के स्नायुओं में जल्दी थकान होने लगती है। लगातार स्क्रीन की ओर देखते रहने से पलकों का झपकना भी कम हो जाता है। इसके चलते नजर कमजोर होना, सिर दर्द और चक्कर जैसी समस्या घेर सकती है। बिना किसी से बातचीत किए लगातार कई घंटों तक कम्प्यूटर पर काम करते रहने पर थकान और तनाव के कारण 'एपैथी सिंड्रोम' होने का डर है। इसमें भूख न लगना, चिड़चिड़ापन और नींद न आने की दिक्कतें घेर लेती हैं।

काम करते समय सहज रहना आवश्यक है। इस दिशा में पहला कदम है ऑफिस के 5 मुख्य नियमों को जानना।

1. शरीर को ढीला छोड़कर धीरे-धीरे लंबी सांस लीजिये।
2. कार्य को सरल बनाएं। एक समय में एक ही काम करें।
3. काम शान्तिपूर्वक और एकाग्र हो कर करें।
4. छोटी-छोटी बातों को लेकर तनावग्रस्त न हों।
5. आवश्यकतानुसार बीच-बीच में विश्राम करें।

छोटे कदम, बड़ी राहत

» देर तक ऑफिस में काम करने के कारण हो सकता है शारीरिक व्यायाम के लिए समय ही न बचता हो। ऐसे में शारीरिक व्यायाम के अन्य विकल्प खोजने आवश्यक हैं।

» किसी प्रोजेक्ट पर सहयोगी के साथ विचार-विमर्श करना है, तो यह काम बैठकर करने के बजाय, चलते हुए कर सकते हैं।

» टेलीफोन पर खड़े होकर बात कीजिये।

» ऑफिस में किसी से बात करनी हो तो फोन के बजाय उसके पास जाकर बात करें।

» लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का इस्तेमाल करें।

» बिजनेस ट्रिप पर हों तो ऐसे होटल में रुकें जहां स्विमिंग पूल अथवा फिटनेस सेंटर हो।

» एयरपोर्ट पर फ्लाइट की प्रतीक्षा करते समय बैठिए नहीं, टहलते रहिए।

» अपने सूटकेस में कूदने की रस्सी रखें। होटल में समय मिलने पर अपने कमरे में रस्सी कूदिये।

» परोपकार कार्यों के लिए थोड़ा समय निकालिये।

» कार्यस्थल के समीप किसी फिटनेस सेंटर के सदस्य बन जाएं। काम से पहले, बाद में यहां व्यायाम कर सकते हैं।

» बिजनेस कैलेंडर में व्यायाम का समय निर्धारित कर लें। महत्वपूर्ण कार्य की तरह इसको भी प्राथमिकता दें।

» बस से ऑफिस जाते समय अथवा आते समय थोड़ा पहले उतर जाएं और बाकी का रास्ता पैदल पार करें।

» लंच ब्रेक अथवा समय मिलने पर अपने ऑफिस के इर्द-गिर्द ही चक्कर काट लें। थोड़ा स्ट्रेचिंग कर सकते हैं।

» इन सहज-सरल नियमों का अनुपालन करके हम तनावमुक्त रहकर पूरा दिन आनन्दपूर्वक व स्फूर्ति के साथ व्यतीत कर सकते हैं। इससे मस्तिष्क की सृजनशीलता बढ़ती है।

कलिंग समाचार

संपादकीय

गुरूवार 01 जनवरी 2026

नीतीश और भाजपा का नकाब खिंच गया

बिहार में एक ऐसी घटना घटी जिसने महिला अस्मिता की रक्षा के गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मु यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र दे रहे थे। इस दौरान अपना नियुक्ति पत्र लेने आई महिला डॉक्टर नुसरत परवीन का हिजाब उन्होंने सबके सामने मंच पर ही खींच लिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया और कोई संदेह नहीं कि नीतीश कुमार ने पूरे होशो हवास में हिजाब पहनी महिला का अपमान किया। हिजाब खींचने की अभद्रता की। एक पल को इस घटना को हिंदू-मुस्लिम नजरिए से हटकर देखें तो यह वैसा ही कुकृत्य है मानो किसी महिला का घूंघट उसकी अनुमति के बिना उठा देना या किसी का दुपट्टा खींच देना। हद तो यह है कि इस घटना पर माफी मांगना तो दूर नीतीश कुमार या उनकी पार्टी जेडीयू या उनकी सहयोगी भाजपा ने अब तक इस पर अफसोस तक नहीं जताया है। बल्कि इसे मामूली घटना बताकर चलता किया जा रहा है। मु यमंत्री को बचाने के लिए कहा जा रहा है कि वे यह देख रहे थे कि जिसे नियुक्ति पत्र मिल रहा है, वह सही व्यक्ति है या नहीं। इससे ज्यादा लचर तर्क नहीं हो सकता, क्योंकि मु यमंत्री के कार्यक्रम में जाने से पहले बाकायदा कई स्तरों पर सुरक्षा होती है, पहचान पत्र देखे जाते हैं और जिन्हें नियुक्ति पत्र मिलना था, वो कौन हैं, इसकी भी शिना त हुई होगी। अगर नीतीश कुमार को फिर भी पड़ताल करनी थी, तो वे नुसरत परवीन को हिजाब हटाने कह सकते थे, लेकिन खुद बढ़कर हिजाब खींचना अक्ष य है। कांग्रेस ने तो इस मुद्दे पर नीतीश कुमार से इस्तीफे की मांग की है। राजद,पीडीपी, सपा समेत कई दल नीतीश कुमार की आलोचना कर रहे हैं। जबकि अखिल भारतीय मुस्लिम महिला पर्सनल लॉ बोर्ड की अध्यक्ष शाइस्ता अंबर ने नीतीश कुमार से इस्तीफा मांगा है, साथ ही न्यायपालिका को इस मामले में दखल देने की अपील की है। दूसरी तरफ उत्तरप्रदेश में केबिनेट मंत्री संजय निषाद ने तो नीतीश कुमार के बचाव में कह दिया कि बुर्का उतरने पर इतना बवाल हो गया, अगर कहीं और छू देते तो क्या होता। वो भी तो आदमी ही है ना। संजय निषाद के इस बयान पर भी विपक्ष ने आपत्ति दर्ज कराई है। समाजवादी पार्टी की नेता सुमैया राणा ने इस टिप्पणी को आपत्तिजनक बताते हुए लखनऊ के कैसरबाग थाने में नीतीश कुमार और संजय निषाद दोनों के खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी। जिसके बाद संजय निषाद का कहना है कि उनकी बात को गलत संदर्भों में लिया गया। वे तर्क दे रहे हैं कि भाषा पर पूर्वांचल के प्रभाव से उनकी बात को गलत समझ लिया गया। मान लें कि संजय निषाद को ठीक तरीके से नहीं समझा गया, लेकिन हिजाब खींचने को उन्होंने गलत नहीं माना, यह तो जाहिर ही है। संजय निषाद ने कहा है कि इस मामले पर राजनीति की जा रही है। नीतीश कुमार के काम को जनता जानती और समझती है। जनता बार-बार उन्हें समर्थन दे रही है और मु यमंत्री बना रही है। उन्होंने जो काम किया है, वह जनता के सामने है। आगे भी जनता ही तय करेगी कि उन्हें समर्थन देना है या नहीं। यानी महिला के अपमान पर आपत्ति जताने को राजनीति कहा जा रहा है। और बार-बार जीतने या 10 बार मु यमंत्री बन जाने का यह अर्थ कतई नहीं है कि नीतीश कुमार को किसी के भी साथ, कैसा भी व्यवहार करने की छूट मिली है। जीत किसी को भी मर्यादा भंग करने की इजाज़त नहीं देती। नीतीश कुमार ने पहली बार महिला विरोधी कार्य नहीं किया है। विधानसभा के भीतर उन्होंने पूर्व मु यमंत्री राबड़ी देवी की अभद्र तरीके से आलोचना की थी, इससे पहले जब वे राजद के सहयोग से मु यमंत्री थे, तब नवंबर 2023 में राज्य विधानसभा में जनसं या नियंत्रण और महिला शिक्षा के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने विवादित बयान दिया था। उस समय उनके विरोध में बैठी भाजपा ने नीतीश कुमार के बयान को शर्मनाक और भद्दा बताते हुए माफी की मांग की थी, लेकिन आज भाजपा को नीतीश कुमार की हरकत पर कोई शर्मिंदगी नहीं है। महिला आयोग भी इस मुद्दे पर चुप है। कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक राष्ट्रीय महिला आयोग या राज्य महिला आयोग ने नीतीश कुमार पर कोई एक्शन नहीं लिया है।

राष्ट्रीय चुनावों के लिए तैयार हो रहा है नेपाल

नित्य चक्रवर्ती

भ्रष्टाचार के उन्मूलन और अधिकारों की सुरक्षा से संबंधित कुछ प्रमुख मुद्दों पर जनमत संग्रह कराने के लिए बातचीत हुई। उ मीद है कि कार्की जल्द ही इस जनमत संग्रह के मुद्दे पर फैसला लेंगी। अगर वह इसे मंजूरी देती हैं, तो यह फिर से वही होगा जो बांग्लादेश में हो रहा है। 12 फरवरी, 2026 को बांग्लादेश में, राष्ट्रीय चुनावों के साथ-साथ जनमत संग्रह पर भी वोटिंग होगी।

क्या बांग्लादेश का चुनाव से पहले का माहौल नेपाल में दोहराया जा रहा है, जो इस साल सितंबर के दूसरे सप्ताह में देश के जेनरेशन जेड (जेन-जेड) द्वारा सत्ताधारी के.एस. ओली सरकार के खिलाफ दो दिन के विद्रोह का केंद्र था? बड़े संकेत इसी ओर इशारा कर रहे हैं, एकमात्र अंतर यह है कि बांग्लादेश में छात्र प्रदर्शनकारियों की अपनी नौ महीने पुरानी पार्टी है, लेकिन काठमांडू में, जेन-जेड के नेता और उनके मार्गदर्शक अभी भी बिना किसी औपचारिक पार्टी आधार के चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं।

29 लाख की आबादी वाले देश नेपाल में सितंबर के विद्रोह के तीन महीने से ज़्यादा समय बाद, अगले साल 5 मार्च को चुनाव कराने की सभी तैयारियां कर ली गई हैं। चुनाव आयोग ने 19 लाख मतदाताओं की सूची तैयार की है और 114 राजनीतिक पार्टियों को चुनाव लड़ने के लिए योग्य पंजीकृत किया गया है। लेकिन आखिरकार, पिछले दो दशकों से हिमालयी देश पर शासन करने वाली स्थापित राजनीतिक पार्टियां ही आने वाले चुनावों में मायने रख रही हैं, विद्रोह करने वाले जेन-जेड युवाओं की ओर से पुराने सत्ता प्रतिष्ठान को चुनौती देने के लिए कोई मजबूत राजनीतिक गठबंधन सामने नहीं आया है, जिन्होंने दो दिनों के बड़े विरोध प्रदर्शनों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री के.एस. ओली को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करके इतिहास रचा था।

इसी तरह बांग्लादेश में, जुलाई 2024 के विद्रोह के छात्र प्रदर्शनकारियों द्वारा स्थापित नेशनल सिटीजन्स पार्टी (एनसीपी), मौजूदा चुनाव अभियान में कोई प्रभाव डालने में विफल रही है, जबकि बीएनपीऔर जमात-ए-इस्लामी जैसी स्थापित पार्टियां हावी हैं, क्योंकि 12 फरवरी को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव नजदीक आ रहे हैं। नेपाल में, प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को जेन-जेड प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने के लिए चुना था, ठीक वैसे ही जैसे 8 अगस्त 2024 को छात्र प्रदर्शनकारियों ने मुह मद यूनुस को बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मु य सलाहकार के रूप में काम करने के लिए चुना था।

अब नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री खुद थोड़ी निराश हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि सरकार में भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए राजनीति में नए चेहरों के आने की संभावनाएं धूमिल हैं। उन्होंने इस उ मीद के साथ प्रधानमंत्री का पद संभाला था कि नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय में अपने पूरे करियर में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाली होने के नाते, वह भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन सुनिश्चित करने के बाद अपना अंतरिम पद छोड़ देंगी, लेकिन हाल के दिनों में, वह पारदर्शिता पर आधारित और भ्रष्टाचार से मुक्तनए नेपाल के उदय के बारे में उ मीद खो रही हैं। हाल ही में उन्होंने आने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले भ्रष्टाचार और कार्यकर्ताओं की मांगों पर चर्चा करने के लिए नागरिक सुरक्षा अभियान टीम के साथ एक बैठक की।

भ्रष्टाचार के उन्मूलन और अधिकारों की सुरक्षा से संबंधित कुछ प्रमुख मुद्दों पर जनमत संग्रह कराने के लिए बातचीत हुई। उ मीद है कि कार्की जल्द ही इस जनमत संग्रह के मुद्दे पर फैसला लेंगी। अगर वह इसे मंजूरी देती हैं, तो यह फिर से वही होगा जो बांग्लादेश में हो रहा है। 12 फरवरी, 2026 को बांग्लादेश में, राष्ट्रीय चुनावों के साथ-साथ जनमत संग्रह पर भी वोटिंग होगी। नेपाल में भी, अगर प्रधानमंत्री कार्की जनमत संग्रह के प्रस्ताव को मंजूरी देती हैं, तो 5 मार्च को ही जनमत संग्रह पर मतदान हो सकता है।

नेपाल की वर्तमान संसद में 334 सदस्य हैं - निचले सदन में 275 और ऊपरी सदन में 59 सदस्य। राजशाही खत्म होने और लोकतंत्र शुरू होने के बाद से देश में गठबंधन सरकार का चलन है। 2022 के चुनावों में, 89 सीटों के साथ नेपाली कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन पिछली सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार का नेतृत्व नेपाल क युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के प्रधानमंत्री के.एस.आर. ओली कर रहे थे, जिन्हें नेपाली कांग्रेस और कुछ अन्य पार्टियों का समर्थन प्राप्त था। सीपीएन (यूएमएल) एक और क युनिस्ट पार्टी है जो पिछले चुनावों में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी थी। क युनिस्ट पार्टियों के बीच फूट ने नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता में बहुत योगदान दिया।

अभी तक, वही पार्टियां सामने आई हैं और प्रचार कर रही हैं। 2022 के तर्ज पर गठबंधन की बात हो रही है, लेकिन अभी तक इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। सभी पार्टियों में अंदरूनी समस्याएं हैं। नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व पर कई वरिष्ठ नेताओं द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं, जबकि के.एस. ओली से पिछले स मेलन में इस्तीफा देने के लिए कहा गया था, लेकिन वह असंतोष से निपटने में कामयाब रहे और फिर से नेता बनकर उभरे।

कुल मिलाकर, सात पार्टियों को राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है और गठबंधन सरकारें उनके इर्द-गिर्द घूम रही हैं।मंजूर पार्टियों में से लगभग पांचवां हिस्सा नई हैं, जिनमें से कई युवा कार्यकर्ताओं द्वारा पंजीकृत की गई हैं, जिन्होंने इस साल सितंबर में नेपाल को हिला देने वाले भ्रष्टाचार विरोधी विरोध प्रदर्शनों में प्रमुख भूमिका निभाई थी। लेकिन समस्या यह है कि इन सभी छोटी पार्टियों ने अभी तक चुनाव की लड़ाई के लिए संगठन नहीं बनाए हैं। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि जेन-जेड के सक्रिय सदस्यों की ये पार्टियां चुनाव से पहले गठबंधन करेंगी।जेन-जेड ने सितंबर के विरोध प्रदर्शन के दौरान बेरोजगारी की समस्या के बारे में बड़े पैमाने पर बात की थी, लेकिन अब तक वे इस संकट से निपटने के लिए कोई पक्की योजना नहीं बना पाए हैं। वर्ल्ड बैंक के ताज़ा आंकड़े एक चौंकाने वाली तस्वीर पेश करते हैं- नेपाल के 82 प्रतिशत कार्यबल का इस्तेमाल अनौपचारिक रूप से किया जाता है, और 2024 में देश की प्रति व्यक्ति जीडीपी सिर्फ़ .1,447 थी। लाखों नेपालियों के लिए, ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं - ये उनकी रोज़ की सच्चाई हैं।अभी भी समय है।

यह देखना होगा कि क्या जेन-जेड नेता अपनी मंजूर पार्टियों के बीच कोई साझा न्यूनतम कार्यक्रम बना पाते हैं और स्थापित राजनीतिक पार्टियों से लड़ने के लिए अपनी ताकतों को इकट्ठा कर पाते हैं, जिनके पास अच्छी तरह से काम करने वाली चुनावी मशीनरी है? सिटीजन् काउंसिल के कुछ वरीय नेता और साथ ही प्रधानमंत्री सुशीला कार्की भी एक ऐसे ग्रुप के गठन में दिलचस्पी रखते हैं जो सितंबर के विद्रोह के दौरान उठाई गई मांगों के आधार पर 5 मार्च के चुनाव लड़ेगा। अगर एकता की यह कोशिश सफल होती है, तो जेन-जेड से पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों को कड़ी टक्कर मिलने की कुछ संभावना है।

धुरंधर की उलझन

सर्वमित्रा सुरजन

ये हकीकत है कि कराची के ल्यारी में रहमान डकैत का खौफ बना हुआ था और 2009 में उसके एनकाउंटर तक उसकी दहशत बनी रही। पाकिस्तान के बड़े नेताओं और अफसरों तक उसकी पहुंच थी। रहमान को मारने वाले चौधरी असलम की भी 2014 में आत्मघाती हमले में मौत हो गई। हालांकि धुरंधर में मजारी रहमान को मारता है। फिल्म में चौधरी असलम का किरदार संजय दत्त ने निभाया है।

हिन्दी फिल्मों के दर्शकों की या तो निर्माता-निर्देशकों को कोई कद्र नहीं है, या उन्होंने दर्शकों को मूर्ख मानना शुरु कर दिया है कि हम जो भी बना कर परोसेंगे, वे उसे ग्रहण कर ही लेंगे। पहले सैयारा और अब धुरंधर, हाल की दो बेहद प्रचारित फिल्मों को देखकर ऐसा ही लगा। सैयारा एक लचर प्रेम कहानी से ज्यादा कुछ नहीं है, कोरी भावुकता के कारण फिल्म चल गई। मगर धुरंधर तो सैयारा से भी खराब फिल्म निकली। नाम बड़े और दर्शन छोटे का मुहावरा इस फिल्म पर सटीक बैठता है। निर्देशक आदित्य धर ने मानो दर्शकों के सब्र का इ तहान लिया है। भारत और पाकिस्तान की दुश्मनी, दोनों देशों के बीच की लड़ाइयां, आईएसआई और रॉ के जासूसों के कारनामे, आतंकवाद को बढ़ावा, आतंकी हमलों की साजिशें, पाकिस्तान के सैन्य तानाशाहों की भारत के लिए नफरत, कश्मीर को राजनैतिक तौर पर अस्थिर करने की कोशिश ऐसे कथानकों पर कई फिल्में और वेब सीरीज़ बन चुकी हैं। इनमें कुछ कहानी के हिसाब से अच्छी बनी हैं, कुछ मनोरंजन के नजरिए से बढ़िया हैं। लेकिन धुरंधर में इन सबका घालमेल कर दिया गया है। फिल्म पूरी तरह दिशाहीन है और दर्शकों को भी उलझाए रखती है।

जैसे उत्तरपुस्तिका में केवल पन्ने भरने के लिए स्पष्ट उत्तर लिखने की जगह बेवजह के संदर्भ ठूंस कर उसे बढ़ाया जाता है, ताकि जांचने वाले को लगे कि छात्र काफी जानकार है, कुछ इसी अंदाज में फिल्म को एक विषय पर केन्द्रित रखने की जगह ये भी और वो भी, सब मिलाकर बनाया गया है। निर्माता-निर्देशक पहले तो शायद इसी उलझन में रहे कि भारत-पाकिस्तान के कड़वे संबंधों पर सीरीज़ बनानी है या फिल्म। क्योंकि आम फिल्मों की तरह इसमें शुरुआत, मध्यांतर और अंत नहीं हुआ। बल्कि चैप्टर वन से फिल्म शुरु हुई और आखिरी चैप्टर के आने पर भी फिल्म खत्म नहीं हुई है, अब इसका अगला हिस्सा मार्च में आएगा, इसकी घोषणा की गई है। हर चैप्टर का एक शीर्षक है और उसी हिसाब से कहानी को आगे बढ़ाया गया है। खैर, इसे प्रयोग मानकर नजरंदाज किया जा सकता है। लेकिन फिल्म बनाने वाले शायद ये भी तय नहीं कर पाए कि उन्हें किस घटना, किस पात्र पर फिल्म को केन्द्रित करना है। सबसे शुरु में कंधार घटना दिखाई गई है, जहां इंडियन एयरलाइन्स के विमान को हाईजैक कर आतंकवादी ले गए थे। पाठक जानते हैं कि इस हाईजैक मामले में सात दिनों के बाद विमान से यात्रियों को छुड़वाया जा सका, जिसके लिए तत्कालीन वाजपेयी सरकार ने भारत की जेल में बंद तीन खूंखार आतंकियों मुश्ताक अहमद जरगर, अहमद उमर सईद शेख और मौलाना मसूद अजहर को रिहा किया था और अपहरण करने वालों को भारी भरकम राशि भी दी थी। इस घटना में विदेश मंत्री जसवंत सिंह और मौजूदा एनएसए अजित डोभाल सरकार की तरफ से आतंकियों के सामने गए थे। फिल्म के अस्वीकरण यानी डिस्क्लेमर में काल्पनिक घटनाओं और पात्रों का जिक्र है। लेकिन फिल्म में सच और कल्पना दोनों मिला दिए गए हैं। अजित डोभाल अजय सान्याल बना दिए गए हैं। जो आतंकियों से आंख से आंख मिलाकर बात करते हैं, सात दिनों तक विमान में कैद रहने वाले आम यात्रियों से भारत मां की जय के नारे लगवाना चाहते हैं। कंधार ले जाए गए विमान में एक यात्री की हत्या आतंकियों ने की थी, जिसे बेहद वीभत्स तरीके से फिल्म में दिखाया गया है, हालांकि उसकी कोई जरूरत नहीं थी।

यह वीभत्सता यहीं नहीं रुकी, आगे कई और दृश्य ऐसे आए हैं, जिनमें एक-दूसरे के खून के प्यासे इंसान दिखाने के लिए उन्हें हैवानों से भी बदतर दिखाया गया है। इन दृश्यों को पूरा देख लें तो आम इंसानों का कलेजा मुंह को आ जाए। ऐसा नहीं है कि हिन्दी फिल्मों में क्रूरता पहले नहीं दिखाई गई है। फिल्म शोले का वह दृश्य भी काफी डरावना है जिसमें गब्बर सिंह एक चींटे को मसल देता है और दर्शक समझ जाते हैं कि इमाम साहब का नौजवान बेटा अहमद मारा गया है। कहने का अर्थ यह कि क्रूरता का संदेश संप्रेषित करने के लिए किसी की बोटी-बोटी करते दिखाना, खोपड़ी फाड़ देना, शरीर में छोटे-छोटे छेद करना जरूरी नहीं है। लेकिन धुरंधर के निर्देशक ने ऐसा ही किया है। फिल्म में संपादन का भी पूरी तरह अभाव दिखा है। कई दृश्य बेवजह लंबे खींचे गए हैं।

बहरहाल, कंधार के बाद 2001 में संसद पर किया हमला भी दिखाया गया और इसमें एक आतंकी वही है, जो विमान अपहरण में शामिल था। संसद हमले के कई असली फुटेज फिल्म में दिखाए गए हैं। एक बार फिर अजय सान्याल आते हैं जो लगातार इस कोशिश में हैं कि पाकिस्तान को जवाब देने के लिए नए तरीकों का इस्तेमाल हो। वे एक योजना बनाते हैं, जिसे आखिरकार अमल में लाया जाता है। धुरंधर के नाम पर चीयर्स करते हुए इस योजना के तहत रणवीर सिंह को हमजा अली मजारी बनाकर पाकिस्तान में भेदिए की तरह पठाया जाता है। करांची के ल्यारी में दो माफिया गुटों की अदावत का फायदा उठाते हुए रहमान डकैत के गुट में मजारी शामिल होता है, और रहमान का दाहिना हाथ बन जाता है। रहमान का किरदार अक्षय खन्ना ने निभाया है। रहमान डकैत को पीएनपी नाम के राजनैतिक दल की सरपरस्ती में आगे बढ़ते दिखाया गया है, जो असल में बेनजीर भुट्टो की पार्टी पीपीपी है, पीएनपी के पोस्टर्स पर बेनजीर का चेहरा और नाम बाकायदा इस्तेमाल हुआ है। ये हकीकत है कि कराची के ल्यारी में रहमान डकैत का खौफ बना हुआ था और 2009 में उसके एनकाउंटर तक उसकी दहशत बनी रही। पाकिस्तान के बड़े नेताओं और अफसरों तक उसकी पहुंच थी। रहमान को मारने वाले चौधरी असलम की भी 2014 में आत्मघाती हमले में मौत हो गई। हालांकि धुरंधर में मजारी रहमान को मारता है। फिल्म में चौधरी असलम का किरदार संजय दत्त ने निभाया है। जिनका अभिनय सतही लगा। चौधरी असलम को बलूचों से नफरत करते दिखाया गया है, लेकिन इसकी वजह नहीं बताई गई।

बहरहाल, रहमान के जरिए मजारी उन लोगों तक पहुंचता है जो हवाला, नकली नोट, हथियारों के कारोबार से अकूत धन कमाते हैं, आईएसआई इन लोगों को बढ़ावा देता है और इनके जरिए आतंकी कैंप चलाता है। हमज़ा अली मज़ारी मुंबई हमलों की तैयारी से वाकिफ होता है और इसकी सूचना भारत तक भेजता है। लेकिन फिर भी इस हमले को रोका नहीं जा सका। इस हमले के फिल्मांकन में भी कई असली फुटेज दिखाए गए हैं। रहमान की मदद से ही आईएसआई को मुंबई हमलों के लिए हथियार मिले ऐसा फिल्म में बताया गया है। इस काम में जिन व्यापारी बंधुओं की मदद ली गई है, वो भारत के नकली नोट छापते हैं और बताया गया है कि नकली नोट छापने के लिए करेंसी प्लेट उन्हें भारत के एक मंत्री और बेटे ने दुबई में दी है। फिल्म में एक अधिकारी अजय सान्याल को बताता है कि मंत्री और उसका बेटा लंदन से ये प्लेटें ला रहे थे और बीच में दुबई रुक गए, वहीं आईएसआई और पाकिस्तानी व्यापारी को प्लेट्स दे दी गई। ये दृश्य हास्यास्पद और सच से कोसों दूर है। भारत में नोट प्रिंट करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक और सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के बीच अहम जि मेदारियां बंटी होती है। देवास (मध्य प्रदेश), नासिक (महाराष्ट्र), मैसूर (कर्नाटक) और सालबोनी (पश्चिम बंगाल) इन चार जगहों पर ही नोट छापे जाते हैं। इन प्रेसों की सुरक्षा ऐसी होती है कि इसके अंदर आने की बात तो दूर, बाहर भी आसपास खड़े रहने की आम लोगों को इजाजत नहीं होती। कुछ अनुमति प्राप्त उच्चाधिकारी ही इन प्रेस में विशेष अनुमति मिलने के बाद आ सकते हैं। सरकारी प्रेस में एक बेहद सीक्रेट जगह पर नोट छापने की प्लेट्स रखी होती हैं। प्रेस में इसे एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए भी नियम बनाए गए हैं। कैमरा, बायोमेट्रिक, सुरक्षा गार्ड और अन्य अत्याधुनिक सिक्योरिटी तकनीक की निगरानी में ये प्लेट्स रखी रहती हैं। जब इसका इस्तेमाल किया जाता है तो एक प्रोटोकॉल के तहत इन्हें गुप्त दराजों से निकाला जाता है। कब कौन सी प्लेट का इस्तेमाल हुआ। कितनी देर ये तिजोरी से बाहर रही, कब इसे फिर से तिजोरी में रखी गई, हर एक चीज का रिकॉर्ड रखा जाता है। इन करंसी प्लेट्स का एक समय तक इस्तेमाल होता है, फिर इन्हें नष्ट कर दिया जाता है। ये काम भी एक निश्चित नियम के तहत होता है। फिल्म में करेंसी प्लेट की चोरी या नकल जितनी आसान दिखाई जाती है, वो असल में नामुमकिन है, क्योंकि, ऐसे प्रेस बहुस्तरीय सुरक्षा घेरे में होते हैं। प्लेट्स की चोरी तो दूर उसके पास भी अगर कोई पहुंच जाए तो पूरे सिस्टम को अलर्ट चला जाता है और जांच शुरू हो जाती है।

यह सही है कि नकली नोटों का कारोबार होता है, लेकिन यह उस तरीके से नहीं होता, जैसा फिल्म में दिखाया गया है। धुरंधर में भारत से जुड़ी तीन बड़ी आतंकी घटनाओं के तार पाकिस्तान से जुड़े होने का सच तो दिखाया गया है, इसमें पहली दो घटनाएं एनडीए शासनकाल में हुई हैं, और तीसरी यूपीए के शासन में हुई है। इसी में सुरक्षा में चूक और मंत्री का भ्रष्टाचार दिखाया गया है, जो जाहिर तौर पर कांग्रेस पर निशाना है। फिल्म के आखिरी में ये नया भारत है घर में घुस कर मारता है, जैसे संवाद का आ जाना पक्के तौर पर मुहर लगा देता है कि धुरंधर भाजपा के प्रचारतंत्र की देन है। दुनिया के हर आतंकी हमले के पीछे इसमें पाकिस्तान का हाथ बताया गया है। अजित डोभाल या अजय सान्याल बने माधवन शुरु से हैरान, परेशान और काफी हद तक कुंठित नजर आते हैं कि देश को आतंकी हमलों से बचा नहीं पा रहे। फिल्म का अगला भाग लाने के लिए रणवीर सिंह को जसकीरत सिंह रंगी दिखाया गया है, जिसे जेल से निकालकर अजय सान्याल पाकिस्तान में जासूसी के लिए तैयार करते हैं। इसे अनूठे प्रयोग के तौर पर दिखाया गया है, जबकि कई फिल्मों में ऐसा दिखाया जा चुका है कि किसी कैदी को देश की सेवा के लिए तैयार किया जाता है। फिल्म में आईएसआई के मेजर इकबाल (अर्जुन रामपाल) से लेकर चौधरी असलम तक सब बड़े साहब का ज़िक्र करते हैं, लेकिन ये कौन है शायद इसका पता धुरंधर के अगले भाग में पता चले।

विविध समाचार

पाकिस्तान से सिरसा पहुंची तीन करोड़ की हेरोइन के साथ युवक गिरफ्तार

सिरसा ३१/१२ (संवाददाता): हरियाणा में सिरसा की सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान गांव पनिहारी के बस स्टैंड से एक युवक को 450 ग्राम नौ मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है । पुलिस अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस हेरोइन की कीमत तीन करोड़ रुपये के लगभग बता रही है। गिरफ्तार किए गए युवक के खिलाफ थाना सदर सिरसा में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर किया है । पकड़े गए युवक ने प्रारम्भिक पूछताछ में बताया है कि उक्त हेरोइन अमृतसर के रास्ते पाकिस्तान से लाई गई थी और इसे सिरसा व आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई की जानी थी । इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए सिरसा के पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान गुरप्रीत सिंह पुत्र दर्शन सिंह निवासी गांव जसवाल तहसील डेलो,जिला लुधियाना,पंजाब के रूप मे हुई हैं ।

उन्होंने बताया कि सीआईए उप निरीक्षक जगदीश चंद्र के नेतृत्व में एक पुलिस टीम सिरसा बरनाला रोड़ पर गांव पनिहारी बस स्टैंड पर नाकाबंदी कर आने जाने वाले वाहनों की चेकिंग कर रही थी । इसी दौरान सरदुलगढ़ पंजाब की तरफ से एक बस आकर गांव पनिहारी बस स्टैंड पर रुकी। बस में से एक नौजवान युवक अपने हाथ में काले रंग का बैग लिए उतरा और उक्त युवक ने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक सड़क किनारे तेज–तेज कदमों से चलकर भागने का प्रयास करने लगा। इस बीच वहां मौजूद पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर उक्त युवक को काबू कर लिया भागने का कारण पूछा तो युवक कोई संतोषजनक जबाव नही दे पाया। शक के आधार पर पुलिस पार्टी ने उक्त युवक को काबू कर राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में युवक की तलाशी ली तो उसके कब्जा से करीब तीन करोड़ रुपए की 450 ग्राम 09 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक के खिलाफ थाना सदर सिरसा में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर जांच शुरु की गई है।

तरनतारन में पांच पिस्तौल के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

अमृतसर ३१/१२ (संवाददाता): पंजाब में एक विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए, काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर ने पांच पिस्तौल के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि आरोपी की पहचान नौशेरा, तरनतारन निवासी जोधबीर सिंह के रूप में हुई है। उसके कब्जे से 5 पिस्तौल बरामद की, जिसमें दो पीएक्स पिस्तौल, एक .30 बोर पिस्तौल (स्टार मार्क) और दो 9 मिमी ग्लॉक पिस्तौल शामिल हैं। डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि जोधबीर सिंह एक पाकिस्तान स्थित ड्रग तस्कर के संपर्क में है, जो अवैध हथियारों की आपूर्ति करता है। इस संबंध में एसएसओसी अमृतसर में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है, और अन्य सहयोगियों को पकड़ने और सभी पिछड़े और आगे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है।

हिमाचल प्रदेश में लू का कहर जारी, अगले सप्ताह राहत मिलने के आसार

शिमला ३१/१२ (संवाददाता): हिमाचल प्रदेश में शनिवार और रविवार को तीव्र गर्मी का सामना करना पड़ा, जिसमें ऊना तथा पांवटा साहिब ने इस मौसम का सबसे उच्चतम तापमान 40.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। राज्यभर में मौसम पूरी तरह से शुष्क रहा, पिछले 24 घंटों में कहीं भी वर्षा या हिमपात नहीं हुआ जबकि निम्न पहाड़ियों और मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2–5 डिग्री सेल्सियस कम रहा, मध्य पहाड़ी इलाकों में तापमान सामान्य से 2–6 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। केलांग राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शिमला में अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस अधिक था। सुंदरनगर (36.5 डिग्री सेल्सियस), कांगड़ा (36.9 डिग्री सेल्सियस) और बिलासपुर (37.5 डिग्री सेल्सियस) जैसे अन्य शहरों में भी असामान्य रूप से उच्च तापमान रहा। कुल्लू के बजोरा और किन्नौर के ताबो में 48 किमी प्रति घंटे की तेज हवाएँ चलीं।

शिमला मौसम केंद्र ने 30 अप्रैल तक शुष्क मौसम रहने का अनुमान जताया है। इसके अलावा, एक– तीन मई तक कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और तेज हवाएं (40–50 किमी प्रति घंटे) चलने के आसार हैं। एक पश्चिमी विक्षोभ और राजस्थान में चक्रीय परिसंचरण के कारण मौसम प्रभावित होना और निम्न क्षेत्र जैसे ऊना, बिलासपुर तथा कांगड़ा में गर्मी बनी रहने का अनुमान है।आने वाले कुछ दिनों तक गर्म और शुष्क मौसम जारी रहने का अनुमान है। सप्ताहांत तक हल्की बारिश और आंधी–तूफान आने के आसार हैं।

भाजपा की गलत नीतियों के कारण किसान दुखी : गर्ग

चंडीगढ ३१/१२ (संवाददाता): हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने राज्यस्तरीय अनाज मण्डी दौरे के दौरान किसान और आढ़तियों से बातचीत करने के बाद कहा कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) सरकार की गलत नीतियों से प्रदेश का किसान एवं आढ़ती बेहद दुखी है। गर्ग ने कहा कि मण्डियों में आज भी 31 लाख टन गेहूं पड़ी हुई है। सरकार की लाहपरवाही के कारण मण्डियां गेहूं से भरी पड़ी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के गेहूं खरीद, उठान और भुगतान 48 घंटे में करने के सभी दावे पूरी तरह से विफल सिद्ध हुए है। उन्होंने कहा कि गेहूं की सरकारी खरीद एक अप्रैल से शुरु की गई। आज 27 दिन बीत जाने के बाद भी गेहूं खरीद का उठान और भुगतान नहीं हो पाया है। गेहूं उठान और भुगतान न होने के कारण किसान और आढ़तियों में सरकार के प्रति बड़ी भारी नाराजगी है। गेहूं खरीद के समय दो बार बारिश होने के कारण हजारों क्विंटल गेहूं खराब हो गई है और खेतों में बिजली की तारे नीचे लटकने के कारण हजारों एकड़ फसल जलकर राख हो गई है। जिसके कारण किसानों को करोड़ो रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार को गेहूं खराब होने और फसल जलने के नुकसान की तुरंत भरपाई करनी चाहिए और मण्डियों में तुरंत प्रभाव से गेहूं का उठान और भुगतान किया जाये। श्री गर्ग ने कहा कि सरकार ने गेहूं उठान का टैंडर और मण्डियों में बारदान देर से देने से गेहूं के उठान से देरी हुई है जिसका खिमाजा किसान और आढ़तियों को भुगतान पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार को गेहूं उठान में देरी करने वालों ठेकेदार और सरकारी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। मण्डियों में अनाज खरीद करने के लिए पूरी व्यवस्था करनी चाहिए। सरकार को मण्डियों में अनाज खरीद के लिए हर प्रकार की व्यवस्था पहले से ही करनी चाहिए।

केवल सिंह पठानिया ने शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में बागवानी परियोजनाओं की समीक्षा की

शिमला ३१/१२ (संवाददाता): हमाचल प्रदेश के शिमला में उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने शनिवार को शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में बागवानी से संबंधित विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। पठानिया ने कहा कि शाहपुर में शीघ्र ही उद्यान उत्कृष्टता उप केन्द्र स्थापित किया जाएगा। इस केन्द्र की स्थापना के लिए इजरायल के विशेषज्ञ दल ने विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण किया था। इस रिपोर्ट को प्रदेश सरकार को सौंप दिया गया है। प्रदेश सरकार शीघ्र ही इस केन्द्र की स्थापना का मामला केन्द्र सरकार के साथ उठाएगी।

इस केन्द्र की स्थापना पर पांच करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। उप मुख्य सचेतक ने कृषि विभाग के अधिकारियों को झुलाड़ फार्म की भूमि उद्यान विभाग को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में एचपी शिवा परियोजना की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में बागवानी विभाग में रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाएगा तथा पीसीडीओ शाहपुर में भी पदों का सृजन किया जाएगा। पठानिया ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण आर्थिकी को सुदृढ़ करने के लिए कृषि तथा बागवानी क्षेत्र के विकास को विशेष अधिमान दे रही है।

इस क्षेत्र में नवीन प्रौद्योगिकी का समावेश किया जा रहा है। शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में सिट्रस प्रजाति के फलों के उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। इसी के दृष्टिगत विधानसभा क्षेत्र में फलों के उत्पादन के विविधीकरण के लिए नवोन्मेषी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र में कृषि तथा बागवानी क्षेत्र में लोगों को नवीन प्रौद्योगिकी तथा फसलों और फलों की उन्नत प्रजातियों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में निदेशक बागवानी, संयुक्त सचिव बागवानी, परियोजना निदेशक एचपी शिवा तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पंजाब में वेरका का दूध हुआ महंगा, जानिए कितनी बढ़ी कीमत

चंडीगढ ३१/१२ (संवाददाता): महंगाई के इस दौर में आम जनता को एक और झटका लगा है। वेरका ने दूध की कीमतें बढ़ा दी हैं। यह कीमत कल से प्रति 1 लीटर 2 रुपए बढ़ जाएंगी। कंपनी ने साफ किया है कि सभी प्रकार के दूध, चाहे वो टोंड हो, फुल क्रीम हो या डबल टोंड अब 2 रुपये प्रति लीटर ज्यादा कीमत पर मिलेगा। कंपनी ने कहा कि दूध किसानों के हितों की रक्षा करते हुए यह फैसला लिया गया है, ताकि वे दूध का प्रोडक्शन जारी रख सकें और घाटे में न जाएं। पंजाब के साथ–साथ चंडीगढ़ व साथ लगते राज्यों में वेरका का दूध नई कीमतों पर मिलेगा।

पंजाब में गेहूं का 100 लाख टन आवक का आंकड़ा पार : कटारूचक

चंडीगढ़। पंजाब के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले मंत्री लाल चंद कटारूचक को बताया गया कि पंजाब की मंडियों में गेहूं की आवक 100 लाख टन से पार हो गई है। मंत्री ने बताया कि गेहूं के मौजूदा खरीद सीजन के दौरान एक दिन की लिफ्टिंग पांच लाख टन (एलएमटी) को पार कर गई है और वर्तमान में 5,26,750 टन हो गई है। इस सकारात्मक रुझान को भविष्य में भी जारी रखने की जरूरत है क्योंकि लिफ्टिंग में तेजी लाना लाजमी है और इस संबंध में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अनाज भवन में सभी डिप्टी कमिश्नरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान गेहूं की खरीद की

हरियाणा को झटका : पंजाब ने रोका भाखड़ा का पानी, सीएम मान बोले– हमारे पास एक बूंद फालतू नहीं

चण्डीगढ़ ३१/१२ (संवाददाता): पानी के मुद्दे पर एक बार फिर से पंजाब और हरियाणा आमने–सामने आ गया है। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने हरियाणा की नायब सैनी सरकार को बड़ा झटका देते हुए भाखड़ा नहर से हरियाणा को मिलने वाले साढ़े 9 हजार क्यूसिक पानी को घटाकर 4000 क्यूसिक कर दिया है। पंजाब के इस कड़े फैसले से हरियाणा में गर्मी के सीजन में पानी का संकट गहरा सकता है। इस संबंध में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक वीडियो संदेश भी जारी किया है। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तरफ से पंजाब के खिलाफ गंदी चाल चली जा रही है। जिसे हम कामयाब नहीं होने देंगे। मान का कहना है कि भाजपा ने भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) पर दवाब बनाया जा रहा है कि हरियाणा को उसकी जरूरत के हिसाब से पानी दिया जाए। पंजाब के पास फालतू पानी नहीं

है जो हर किसी को दिया जाए। जबकि हरियाणा अपने हिस्से का तय पानी पहले ही इस्तेमाल कर चुका है। ऐसे में पंजाब के पास हरियाणा के अतिरिक्त पानी नहीं है। सीएम मान ने कहा कि पानी का जो सिस्टम बना हुआ है उसके हिसाब से हर साल 21 मई से अगले वर्ष 21 मई तक पानी का हिसाब रखा जाता है। इस हिसाब से हरियाणा ने पूरे साल का अपने हिस्से का पानी मार्च में ही इस्तेमाल कर लिया है। हालांकि इससे पहले कभी भी पानी का हिसाब नहीं रखा गया। क्योंकि पूर्व सरकारों की मिलीभगत से पानी का खेल चलता रहता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। आप सरकार पानी की बूंद–बूंद का हिसाब रख रही है। सीएम मान ने कहा कि हम अपने हिस्से का पानी हरियाणा को नहीं दे सकते। इसलिए भाजपा बीबीएमबी पर दवाब बनाने की कोशिश कर रही है। पंजाब के पास एक बूंद भी फालतू नहीं है। हालांकि मानवता के आधार पर हरियाणा को 4000 क्यूसिक पानी दिया जा रहा है। क्योंकि पानी सभी की जरूरत है, लेकिन इससे ज्यादा पानी हरियाणा को नहीं दिया जा सकता।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

धर्मेंद्र प्रधान ने 'स्वच्छ, सुंदर, सबुजा अंगुल' अभियान में भाग लिया

अंगुल ३१/१२ (संवाददाता): केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा के अंगुल में %स्वच्छ, सुंदर, सबुजा अंगुल% स्वच्छता अभियान में भाग लिया। उन्होंने अंगुल नगर पालिका, अंगुल में 27 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इसी बीच, ओडिशा से एक अन्य घटनाक्रम में, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को राउरकेला स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में एक खेल परिसर का उद्घाटन किया और विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

प्रधान ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की इंजीनियरिंग श्रेणी में एनआईटी राउरकेला को 13वां स्थान प्राप्त हुआ है।उन्होंने कहा कि वे संस्थान को बधाई देने और अपनी शुभकामनाएं देने के लिए परिसर में आए थे। प्रधान ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तकनीकी परिवर्तन के कगार पर है और कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना 2036 तक ओडिशा के विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एनआईटी राउरकेला इस यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस वर्ष की एनआईआरएफ (राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क) रैंकिंग में, एनआईटी राउरकेला ने इंजीनियरिंग कॉलेज श्रेणी में 13वां स्थान प्राप्त किया है। मैं उन्हें बधाई देने और अपनी शुभकामनाएं देने के लिए एनआईटी राउरकेला परिसर में आया था, उन्होंने कहा।प्रधान ने आगे कहा, आने वाले दिनों में देश में एक तकनीकी क्रांति होने वाली है, और प्रधानमंत्री मोदी ने एक विकसित भारत के निर्माण का आह्वान किया है।

ओडिशा 2036 तक एक विकसित राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि एनआईटी राउरकेला इसमें अग्रणी भूमिका निभाएगा।इससे पहले गुरुवार को, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर रायराखोल में 250 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

इस अवसर पर बोलते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा, हमने अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर शुशासन दिवस मनाया। आज यहां लगभग 250 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का अनावरण किया गया।

इससे पहले, ओडिशा के मुज़्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने चंदाका में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) के लिए एक नए प्रशिक्षण एवं ब्रीफिंग केंद्र का उद्घाटन किया, जहां एक समय में 400 जवानों को प्रशिक्षण दिया जा सकता है। उन्होंने उसी स्थान पर एक आधुनिक आतंकवाद विरोधी प्रशिक्षण केंद्र का भी उद्घाटन किया।

राउरकेला इस्पात संयंत्र ने सेल टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2025 जीती

राउरकेला ३१/१२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) ने इस्पात इंडोर स्टेडियम में बहुत उत्साह और और कड़े प्रतिस्पर्धात्मक माहौल के बीच संपन्न हुई सेल टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2025 की पुरुष वर्ग में चैंपियन का खिताब जीता । आरएसपी टीम ने फाइनल में दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी) को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। आरएसपी महिला टीम भी चैंपियनशिप में उप-विजेता रही, फाइनल में उसे डीएसपी महिला टीम से हार का सामना करना पड़ा। कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन), आरएसपी, श्री अनिल कुमार, समापन पुरस्कार समारोह के मुज़्य अतिथि थे और उन्होंने विजेताओं और उपविजेताओं को सज़्मानित किया। मुज़्य महाप्रबंधक (नगर-सेवाएँ एवं सीएसआर),श्री टी जी कानेकर संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस अवसर पर उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री अनिल कुमार ने अनुशासन, टीमवर्क तथा स्वस्थ कार्य संस्कृति के विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न सेल इकाइयों की टीमों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि इससे अंतर-इकाई सौहार्द एवं संगठनात्मक जुड़ाव को मजबूती मिलती है।

आरएसपी पुरुष टीम में अतिरिक्त मुज़्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा), डॉ. संजय तिवारी, अनुभाग अधिकारी (विज़ एवं लेखा), श्री राजेश चौरसिया एवं कनिष्ठ अभियंता (सामग्री प्रबंधन विभाग-भण्डारण), श्री अल्बर्ट किंडो शामिल थे द्व

उल्लेखनीय है कि सेमीफाइनल तक पहुँचने वाली टीमों में सेल निगमित कार्यालय, आईआईएससीओ इस्पात संयंत्र (आईएसपी), राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) तथा दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी) शामिल थीं ।इस चैज़्पियनशिप का स्थानीय स्तर पर सफल समन्वय उप प्रबंधक (क्रीडा), आरएसपी, श्री रघु नंदन पाढ़ी, द्वारा किया गया। प्रतियोगिता ने सेल की विभिन्न इकाइयों के बीच खेल प्रतिभा, टीम भावना एवं सौहार्द का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और सफलतापूर्वक सज़्पन्न हुई।

गांव में भालू की हलचल से दहशत फैल गई

नुआपाड़ा ३१/१२ (संवाददाता): ज़िले में सिनापाली पुलिस स्टेशन के तहत गंडाबाहली गांव में देर रात भालू घुस रहे हैं, वे झुंड में घूम रहे हैं और गांव की सड़कों पर घूम रहे हैं, जिससे निवासियों में व्यापक डर फैल गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, देर रात तीन भालुओं को गांव में घूमते देखा गया, जिससे स्थानीय लोगों को शाम के बाद बाहर निकलने से रोकना पड़ा। बताया जाता है कि बार-बार भालुओं के दिखने से गांव में दहशत फैल गई है, जिससे निवासी शाम और रात में अपने घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि पिछले कई दिनों से इंसानी बस्तियों में भालुओं की मौजूदगी ने रोज़मर्रा की ज़िंदगी को बुरी तरह प्रभावित किया है। सुरक्षा चिंताओं के कारण लोग कथित तौर पर केवल सुबह के समय ही बाहर निकल रहे हैं।

भालू के हमले के बाद महिला की मौत' पिछले शुक्रवार को भालू के हमले में एक महिला की कथित मौत के बाद तनाव और बढ़ गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक भालू के हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे अस्पताल ले जाया गया। बाद में नुआपाड़ा ज़िला मुज़्यालय अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से ग्रामीणों, खासकर महिलाओं और बुज़ुर्ग निवासियों में चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोग तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं निवासियों ने वन विभाग से अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया। बताया जाता है कि कुछ वन विभाग के कर्मियों को गांव में तैनात किया गया है और वे भालुओं की गतिविधियों पर नज़र रख रहे हैं। स्थानीय ग्रामीण भीष्मराज मेहर ने कहा, पिछले 10 से 15 दिनों से गांव और उसके आसपास भालू देखे जा रहे हैं। हम पूरी तरह से डरे हुए हैं। वे इंसानी बस्तियों में घुस रहे हैं और घरों के करीब भी आ रहे हैं। हाल ही में एक महिला पर भालू ने हमला किया और उसकी जान चली गई। अगर सरकार ने पहले कार्रवाई की होती और हमारी सुरक्षा पर ध्यान दिया होता, तो स्थिति अलग हो सकती थी। एक अन्य ग्रामीण सुरेखा मेहर ने कहा, डर के मारे हम केवल सुबह के समय ही अपने घरों से बाहर निकल रहे हैं। हम अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार के समर्थन का स्वागत करते हैं। सूत्रों के अनुसार, स्थिति पर लगातार नज़र रखी जा रही है ज़्योंकि ग्रामीण वन विभाग की ओर से आगे की कार्रवाई का इंतज़ार कर रहे हैं।

नए साल के लिए आधी रात को पुरी जगन्नाथ मंदिर खोलना 'गैर-सनातनी' है-मंदिर मैनेजिंग कमिटी सदस्य

भुवनेश्वर ३१/१२ (संवाददाता): हिंदू संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध धार्मिक संस्थाओं और नेताओं के बीच बढ़ते गुस्से के बीच, श्री जगन्नाथ मंदिर मैनेजिंग कमिटी के एक सदस्य ने अधिकारियों से अपील की है कि वे अंग्रेजी नए साल के मौके पर आधी रात को श्रीमंदिर न खोलें। मैनेजिंग कमिटी ने 'गैर-सनातनी' रिवाज पर सवाल उठाया, स्छ्ब्झ और ओडिशा सरकार को लिखा श्री जगन्नाथ मंदिर एडमिनिस्ट्रेशन और ओडिशा सरकार को लिखे एक लेटर में, मैनेजिंग कमिटी के सदस्य महेश कुमार साहू ने 31 दिसंबर और 1 जनवरी की दरमियानी रात को मंदिर खुला रखने के रिवाज को गैर-सनातनी और धार्मिक रूप से गलत बताया।,कमेटी सदस्य ने कहा, 'सनातन परंपराओं के खिलाफ' साहू ने कहा कि महाप्रभु श्री जगन्नाथ सनातनी हिंदुओं के आराध्य देवता हैं और मंदिर में सभी रस्में पवित्र सनातन ग्रंथों के अनुसार सज़्ती से की जाती हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि हाल के सालों में, 1 जनवरी को आधी रात को मंदिर खोलना एक रेगुलर रिवाज बन गया है, जो उनके अनुसार, स्थापित धार्मिक नियमों के खिलाफ है। उन्होंने आगे बताया कि इस रिवाज पर धार्मिक नेताओं और संगठनों ने लगातार आपज़ि जताई है, जो हर साल अपना गुस्सा ज़ाहिर करते रहे हैं। इस मुद्दे को धार्मिक रूप से सेंसिटिव बताते हुए, साहू ने स्छ्ब्झ के चीफ एडमिनिस्ट्रेटर अरबिंद पाधी और ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन से अपील की कि वे यह पक्का करें कि श्रीमंदिर में देवताओं के रोज़ाना के रीति-रिवाज पारंपरिक तरीके से किए जाएं, और इंग्लिश न्यू ईयर के लिए रात में देवताओं को जगाया न जाए। यह अपील हिंदू धर्म के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक में धार्मिक परंपराओं और बदलते तरीकों के बीच चल रही बहस को दिखाती है।

21 हाथियों का झुंड अभयारण्य लौटा

बांकी ३१/१२ (संवाददाता):ओडिशा के अथागढ़ के सुकासन वन क्षेत्र में कई दिनों तक उपद्रव मचाने के बाद 21 हाथियों का एक झुंड दज़्पाड़ा वन्यजीव अज़्यारण्य में लौट आया है। जब हाथियों का झुंड लौटते समय सड़क पार कर रहा था, तब एक घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा, जिसके कारण उस सड़क पर लंबा जाम लग गया।आरोप है कि अथागढ़ से लौटते समय हाथियों के झुंड ने बांकी ज़्लॉक के आनंदपुर क्षेत्र में धान और सज़्जियों की फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचाया है। किसानों ने फसल के नुकसान पर चिंता व्यक्त की है।हाथियों को महानदी नदी में नहाते हुए भी देखा गया, जिससे स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए हाथियों के झुंड की गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहे हैं। स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

15 लाख हेज़्टेयर ज़मीन की सिंचाई की जाएगी

ज़्योंझर ३१/१२ (संवाददाता): मुज़्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को घोषणा की कि अगले तीन सालों में राज्य में 15 लाख हेज़्टेयर ज़मीन की सिंचाई की जाएगी। पालासापंगा लैज़्प्स में 2025-26 खरीफ सीज़न के लिए ज़्योंझर ज़िले में धान खरीद प्रक्रिया शुरू करते हुए, माझी ने कहा कि पिछले साल, लगभग 20 लाख किसानों को 7,000 करोड़ रुपये की इनपुट सहायता मिली थी। इस साल, यह संज़्या और बढ़ने की उज़्मीद है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

इस मौके पर किसानों को संबोधित करते हुए मुज़्यमंत्री ने कहा कि सरकार धान पर 800 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस दे रही है, जिससे किसानों का खेती के प्रति मनोबल बढ़ा है। सरकार धान के साथ-साथ गैर-धान फसलों में भी किसानों को और प्रोत्साहन देने पर विचार कर रही है। किसानों को सिर्फ़ धान ही नहीं, बल्कि दालें, तिलहन और मोटे अनाज भी उगाने चाहिए।

मुज़्यमंत्री ने आगे कहा कि 10 जनवरी तक सभी ज़िलों में धान की खरीद शुरू हो जाएगी। सभी अधिकारियों को पूरी धान खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से करने का निर्देश दिया गया है। अगर कोई लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सज़्त कार्रवाई की जाएगी, उन्होंने कहा। धान की कटाई और संबंधित क्षेत्रों में सहकारी निकायों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, माझी ने कहा कि राज्य में 1,542 नए PACS और LAMPS स्थापित किए गए हैं। सरकार इन सोसाइटियों को चालू करने के लिए 5 लाख रुपये की सीड मनी भी दे रही है। वर्तमान में, राज्य में 4,253 PACS और LAMPSहैं। इन्हें वन-स्टॉप सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है, उन्होंने कहा।

घायल हाथी का हाथी केंद्र में चल रहा है इलाज

भुवनेश्वर ३१/१२ (संवाददाता): बेतानंती चुआभांड जंगल से बचाई गई मादा हाथी का इलाज फिलहाल बंगिरिपोशी तालबंध के हाथी इलाज सेंटर में चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हाथी के जबड़े में गंभीर इन्फेज़्शन है, और उसकी जीभ तीन हिस्सों में कट गई है, जिससे वह खुद से खाना नहीं खा पा रही है। वन विभाग हाथी को लिक्विड खाना और एंटीबायोटिज़्स दे रहा है, और अगर ज़रूरत पड़ी तो आगे के इलाज के लिए नंदनकानन से एक सीनियर पशु चिकित्सक को बुलाया जा सकता है। हाथी की चोट के कारण का पता लगाने के लिए जांच चल रही है, जिसमें किसी धारदार हथियार या शिकार के लिए इस्तेमाल किए गए विस्फोटकों से ज़हर दिए जाने का शक है। वन विभाग हाथी के ठीक होने के लिए सभी ज़रूरी कदम उठा रहा है।

इस्पात जनरल हस्पताल में अग्नाशयशोथ के एक अति गंभीर मामले का सफल इलाज

राउरकेला ३१/१२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के इस्पात जनरल हस्पताल (आईजीएच) के चिकित्सकों ने गंभीर रूप से अग्नाशयशोथ से पीड़ित मरीज का सफलतापूर्वक उपचार किया जिसकी बीमारी शराब प्रत्याहार के कारण बुरी तरह से प्रभावित थी द्व

मरीज अत्यंत गंभीर अवस्था में अस्पताल लाया गया था, जिसके लिए तत्काल चिकित्सकीय हस्तक्षेप की आवश्यकता थी। वरिष्ठ विशेषज्ञ परामर्शदाता एवं पूर्व मुज़्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा), डॉ. पी के महापात्र एवं तथा वरिष्ठ परामर्शदाता (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा), डॉ. मोनालिसा महंती ने गैस्ट्रोएंटरोलॉजी टीम की नेतृत्व की और शीघ्र ही गंभीर अग्नाशयशोथ का पता लगाया तथा और प्रभावी उपचार रणनीतियों को लागू किया।

इस बीच, अतिरिक्त मुज़्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा) और प्रभारी (सीसीयू) डॉ. संजुक्ता पाणिग्राही और वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा), डॉ. पी जे रॉय के नेतृत्व में क्रिटिकल केयर टीम ने मरीज की स्थिति को स्थिर करने के लिए सावधानीपूर्वक निगरानी और साक्ष्य-आधारित हस्तक्षेपों सहित चौबीसों घंटे गहन देखभाल प्रदान की।

इस सफलता में आईसीयू नर्सिंग टीम का बेजोड़ प्रदर्शन एक महत्वपूर्ण तत्व था। वरिष्ठ नर्सिंग सिस्टर, शाइनी जॉर्ज और नर्सिंग सिस्टर अनीता जेना के नेतृत्व में, नर्सों ने उत्कृष्ट सतर्कता, नैदानिक विशेषज्ञता और संवेदनशील रोगी सेवा का प्रदर्शन किया, जो रोगी की स्थिति में सुधार लाने और स्वस्थ को बहाल करने में निर्णायक साबित हुआ। चिकित्सकीय स्थिति में सुधार के पश्चात मरीज को आईजीएच के मानसिक स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से एक सुव्यवस्थित नशामुक्ति एवं पुनर्वास कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा, ताकि दीर्घकालिक एवं समग्र सहयोग सुनिश्चित किया जा सके।

यह मामला जटिल चिकित्सकीय आपात स्थितियों से निपटने में आईजीएच की उत्कृष्टता, समन्वित टीमवर्क, नर्सिंग नेतृत्व एवं समग्र चिकित्सा सेवा दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। अस्पताल सभी हितधारकों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।